वर्ष 6, अंक 57 भोपाल, सोमवार 8 सितंबर, 2025 अश्विन कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा, 2082 मूल्य 2 रुपए

दैनिक कारखाने का सफर

कार्यकर्ताओं को बड़ा संदेश : एनडीए की वर्कशॉप में आखिरी कतार में बैठे दिखे पीएम मोदी

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों के लिए दो दिवसीय कार्य कार्यशाला आयोजित की, जिसमें उसके सभी सांसदों ने भाग लिया है। आज से शुरू हुई इस कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अंतिम पंक्ति में बैठे। सूत्रों के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान भाजपा सांसदों ने जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया। इस कार्यशाला की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसके दो मुख्य विषय हैं - '2027 तक एक विकसित भारत की ओर' और 'सांसदों द्वारा सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग'। इसमें प्रधानमंत्री मोदी अन्य नेताओं के साथ आखिरी पंक्ति में बैठे दिखाई दे रहे हैं। भाजपा नेता संबित पात्रा ने प्रधानमंत्री की सराहना करते हुए यह तस्वीर 'X' (पहले ट्विटर) पर साझा की। भाजपा सांसद रवि किशन ने भी 'X' पर यह तस्वीर साझा की और प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल की सराहना की। उन्होंने 'X' पर हिंदी में कहा, "राजग सांसदों की कार्यशाला में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का आखिरी पंक्ति में बैठना भाजपा की ताकत है। यहाँ, संगठन में हर कोई कार्यकर्ता है।"

कार्यशाला के दौरान, एनडीए नेताओं ने जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद ने पिछले सप्ताह इन सुधारों को दिवाली का तोहफ़ा बताते हुए मंजूरी दे दी, जिन्हें 22 सितंबर से लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इन सुधारों की सराहना की और कहा कि जीएसटी 2.0 देश के लिए समर्थन और 'विकास' की 'दोहरी खुराक' है। उन्होंने गुरुवार को कहा, "समय पर बदलाव के बिना, हम अपने देश को आज की वैश्विक स्थिति में उसका उचित स्थान नहीं दे सकते। मैंने इस बार 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अगली पीढ़ी के सुधार करना बेहद ज़रूरी है।"

उपराष्ट्रपति चुनाव – 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा देने के बाद, संसद उनके उत्तराधिकारी के चयन के लिए पूरी तरह तैयार है। ये विकल्प हैं: भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के सीपी राधाकृष्णन, जो विभिन्न राज्यों के राज्यपाल रह चुके हैं, और कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक के बी सुदर्शन रेड्डी, जो सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश हैं। मंगलवार, 9 सितंबर को होने वाले चुनाव में, संसद के दोनों सदनों के सांसद भारत के नए उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान करेंगे। नए पदधारी को पूरे पाँच साल का कार्यकाल मिलेगा, हालाँकि धनखड़ ने अपने कार्यकाल के बीच में ही पद छोड़ दिया था।

भेल थ्रिफ्ट सोसायटी की 56वीं वार्षिक आमसभा 21 को, पेश होगा नया बजट

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईई थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट को-ऑपरेटिव संस्था की 56वीं वार्षिक आम सभा 21 सितंबर रविवार प्रातः 9.30 बजे से बचत भवन, ए-सेक्टर, पिपलानी, बीएचईएल., भोपाल में आयोजित की जाएगी। संस्था के अध्यक्ष बसंत कुमार ने बताया कि आमसभा में वर्ष 2024-25 में हुए कार्य एवं वर्ष 2025-26 के लिए कार्य योजनाओं के संबंध में अध्यक्षीय प्रतिवेदन का पठनोपरांत अनुमोदन, विगत आम सभा दिनांक 22.09.2024 की कार्यवाही की पुष्टि करना, वर्ष 2024-25 के अंकेक्षित लेखा पत्रकों, अंकेक्षक के प्रतिवेदन एवं पालन प्रतिवेदन पर विचारोपरांत अनुमोदन, वर्ष 2024-25 के शुद्ध लाभ के वितरण का अनुमोदन , वर्ष 2024-25 के कंज्यूम बजट का अनुमोदन , वर्ष 2026-27 के बजट का अनुमोदन, वर्ष 2024-25 में विभिन्न फंडों से किए गए व्ययों का अनुमोदन, संचालक मंडल के सदस्यों के रिश्तेदार, कर्मचारियों के विवरण का प्रकाशन, संचालक मंडल के सदस्यों पर बकाया कर्ज एवं अग्रिमों के विवरण का प्रकाशन होगा। उन्होंने बताया कि संस्था की प्रगति के बारे में सदस्यों को विस्तार से आमसभा में जानकारी दी जाएगी।

कश्मीरः कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच भीषण मुठभेड़ शुरू

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी श्रीनगर

जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में सोमवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुडार वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाने के बाद तलाश अभियान मुठभेड़ में बदल गया। वहीं इससे पहले, जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया गया था। घुसपैठिए की पहचान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा निवासी सिराज खान के रूप में हुई है। रविवार रात 9.20 बजे ऑक्ट्रोई चौकी पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने घुसपैठिए को देखा। जवानों ने घुसपैठिए को चुनौती देने के बाद कुछ राउंड फायरिंग की, जिसके बाद उसे सीमा बाड़ के पास गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से कुछ पाकिस्तानी नोट बरामद हुए। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने की उसकी कोशिश के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए उससे पूछताछ की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी 9 सितंबर को बाढ़ प्रभावित पंजाब का करेंगे दौरा

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने पंजाब सरकार को सूचित किया है कि वह सबसे ज़्यादा प्रभावित तीन ज़िलों, गुरदासपुर, अमृतसर और तरनतारन का दौरा कर सकते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने पंजाब सरकार को सूचित किया है कि वह सबसे ज़्यादा प्रभावित तीन ज़िलों, गुरदासपुर, अमृतसर और तरनतारन का दौरा कर सकते हैं। पंजाब दशकों में आई अपनी सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है, उत्तर भारत में भारी बारिश के कारण सतलुज, व्यास और रावी तथा कई मौसमी नदियाँ उफान पर हैं। केंद्र ने आश्वासन दिया है कि पंजाब को "इस संकट में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा" और वह किसानों की मदद के लिए अल्पकालिक, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक योजनाओं पर काम कर

रहा है। अपने दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री खेतों से गाद हटाने, बीमारियों के प्रकोप को रोकने और बाढ़ का पानी कम होने के बाद मृत पशुओं के सुरक्षित निपटान जैसे ज़रूरी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

इस यात्रा के दौरान, उनसे बढ़ते जलस्तर से हुए नुकसान की समीक्षा करने की उम्मीद है, जिसने कई जिलों में गाँवों को जलमग्न कर दिया और फसलों को नष्ट कर दिया। भाजपा के पंजाब हैंडल ने X पर इस यात्रा की घोषणा करते हुए कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को पंजाब के गुरदासपुर आ रहे हैं। वह बाढ़ प्रभावित भाइयों-बहनों और किसानों से सीधे मिलेंगे, उनका दुख साझा करेंगे और पीड़ितों की मदद के लिए हर संभव कदम उठाएंगे।" सरकारी सूत्रों ने कहा कि केंद्र यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इस संकट में पंजाब अकेला न रहे। प्रधानमंत्री की यात्रा तत्काल और दीर्घकालिक, दोनों तरह के राहत उपायों पर केंद्रित होगी, जिसमें खेतों से गाद हटाना, बीमारियों की रोकथाम और बाढ़ का पानी कम होने के बाद मृत पशुओं का सुरक्षित निपटान शामिल है। इस बीच, पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने केंद्र की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने राज्य के बकाया 60,000 करोड़ रुपये जारी करने की आप सरकार की मांग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू होने से राज्य को 50,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, जबकि केंद्र के ग्रामीण विकास कोष से 8,000 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं हुआ है। चीमा ने दावा किया कि केंद्रीय मंत्रियों का पंजाब दौरा "तस्वीर खिंचवाने का मौका" मात्र था और उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर संकट के समय राज्य को "विफल" करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बाढ़ में जान-माल के नुकसान के बावजूद अभी तक किसी राहत पैकेज की घोषणा नहीं की गई है।

पुतिन को बातचीत के लिए झुकना पड़ेगा... अमेरिका बोला- रूसी तेल पर लगेंगे और भी प्रतिबंध, अर्थव्यवस्था ध्वस्त होगी

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि वह रूस पर ''दूसरे चरण'' के प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं। ट्रंप से 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के बाहर पूछा गया था कि क्या वह रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं, इसके जवाब में उन्होंने कहा, ''हां, मैं तैयार हूं।'' ट्रंप की यह टिप्पणी अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के उस बयान के तुरंत बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर अमेरिका और यूरोपीय संघ रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर और अधिक प्रतिबंध लगाते हैं तो रूसी अर्थव्यवस्था ''ध्वस्त'' हो जाएगी।

एनबीसी न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में, बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ एक बेहद उपयोगी बातचीत की, जिन्होंने बाद में शुक्रवार को उनसे बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि रूस पर और दबाव बनाने के लिए अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) क्या कर सकते हैं।

बेसेंट ने कहा, "अगर अमेरिका और यूरोपीय संघ आगे आकर रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर और प्रतिबंध लगा सकते हैं, अतिरिक्त टैरिफ लगा सकते हैं, तो रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी, और इसके लिए राष्ट्रपति पुतिन को बातचीत की मेज पर लाना होगा।" वित्त मंत्री ने आगे कहा कि अमेरिका रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए तैयार है, "लेकिन हमें अपने यूरोपीय सहयोगियों को भी साथ लाने की ज़रूरत है।" बेसेंट ने कहा,

"हम अब इस दौड़ में हैं कि यूक्रेनी सेना कितने समय तक टिक सकती है और रूसी अर्थव्यवस्था कितने समय तक टिक सकती है।"

गौरतलब है कि ट्रंप प्रशासन ने घोषित 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ के अलावा भारत पर रूसी तेल की खरीद के लिए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इससे पहले, 27 अगस्त से नई दिल्ली पर लगाए गए कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गए थे।

इससे पहले, ट्रंप ने रूस से "इतना" तेल खरीदने के भारत के फैसले पर अपनी "गहरी निराशा" व्यक्त की थी। "हमने भारत पर बहुत बड़ा टैरिफ लगाया है, 50 प्रतिशत टैरिफ, बहुत ऊँचा टैरिफ। मेरे (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं, वह बहुत अच्छे हैं।" ट्रंप ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में कहा था, "वह कुछ महीने पहले यहाँ आए थे।"

राष्ट्रपति इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या वह भारत के साथ संबंधों को नए सिरे से स्थापित करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि द्विपक्षीय संबंध उस दौर से गुज़र रहे हैं जिसे कई पर्यवेक्षक दो दशकों से भी ज़्यादा समय में अपने सबसे तनावपूर्ण दौर के रूप में वर्णित कर रहे हैं। बेसेंट और व्यापार सलाहकार पीटर नवारो सहित ट्रंप प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने तर्क दिया है कि भारत द्वारा रूसी तेल की निरंतर खरीद अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन में मास्को के युद्ध प्रयासों को वित्तपोषित कर रही है। इस बीच, नई दिल्ली ने अमेरिकी टैरिफ की तीखी आलोचना की है और उन्हें "अनुचित और अनुचित" बताया है। रूसी कच्चा तेल खरीदने के अपने फैसले का बचाव करते हुए, भारत ने लगातार यह कहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद नीति राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से निर्देशित होती है।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय
गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

जगतगुरु श्री नारायण गुरु की 171वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

श्री नारायण मिशन, गोविंदपुरा, भोपाल में जगतगुरु श्री नारायण गुरु की 171वीं जयंती का भव्य आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ गणपति होम, अभिषेकम, महा गणपति पूजा, शारदा पुष्पांजलि, ध्वजारोहण एवं एरिया प्रेयर ग्रुप द्वारा गुरु कीर्तन से हुआ। इसके पश्चात सार्वजनिक समारोह का आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत परंपरागत दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम का स्वागत भाषण श्रीमती श्यामला सोमन (उपाध्यक्ष, श्री नारायण मिशन) द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री विश्वास सारंग (मंत्री - नगरीय प्रशासन, खेल एवं कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन) ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सिस्टर बिट्टी थॉमस (मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, देवमाता हॉस्पिटल, भोपाल) और विशेष अतिथि श्री किशोर पिल्लै (सेक्रेटरी, हेमा एजुकेशन सोसाइटी) उपस्थित रहे। युवा प्रकोष्ठ के सचिव श्री सचिन सत्य सीजन द्वारा आभार प्रकट किया गया। इसके पश्चात संध्या काल में जादम संध्या एवं भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें मध्यप्रदेश के लगभग 700 श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शाम के कार्यक्रम की शुरुआत रंगोली प्रतियोगिता से हुई, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पुरस्कृत भी हुए। इसके बाद दीप आराधना और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। यूथ विंग के अध्यक्ष श्री गिरीश रवींद्रन ने सभी को संबोधित किया और "महाबली" का भव्य स्वागत किया। तिरुवथिरा, बोट रेसिंग, डांस, म्यूज़िक व अन्य मनोरंजक कार्यक्रमों ने सभी को आनंदित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। नारायण मिशन के जनरल सेक्रेटरी बी राजू एवं संयुक्त सचिव श्रीमती सती संदीप ने सभी श्रद्धालुओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

गणपति बप्पा मोरया अगले बरस तू जल्दी आ के साथ किया गणेश जी का विसर्जन

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

नगरपालिका कार्यालय सारंगपूर मे विराजमान गणेश जी को मुख्य नगर पालिका अधिकारी महादेव सु श्री ज्योति सुनहरे के निर्देशन में गणपति बप्पा को ढोल डामको के साथ विसर्जन किया गया ।इस दौरान नपा कर्मी गोवर्धन सोलंकी दिलीप शर्मा मोहन सिंग भील्ला राजकुमार गिरजे राकेश अहिरवार नवीन चौरसिया सचिन जाधव राजेश पुष्पद जितेंद्र अहिरवार महेश शर्मा सतीश शर्मा अशोक खटक राजेश भैरव सहित नपा स्टाफ उपस्थित रहे।

सकल जैन समाज के स्नेह सम्मेलन में आचार्य श्री के आदर्श सिद्धांत पर चलने का संकल्प

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

तीन साल में होगा रानी कमलापति जिनालय का पंचकल्याणक सोशल मीडिया का उपयोग समाज को तोड़ने के लिए नहीं जोड़ने के लिए किया जाए सभी ने एक दूसरे से हाथ जोड़कर की क्षमा याचना सभी बड़ों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद ले रहे थे और युवा एक दूसरे से हाथ जोड़कर गले मिलकर आत्मिता प्रदान कर जाने अनजाने में की गई गलतियों की क्षमा मांग रहे थे यहां भारतीय संस्कृति और संस्कारों का अद्भुत दृश्य था जवाहर चौक जैन मंदिर परिसर का यहां भोपाल की समूची जैन समाज के स्नेह सम्मेलन में सामूहिक क्षमा वाणी की गई सम्मेलन का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ और आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के जयकारों के साथ मंगलाचरण हुआ,,, प्रमोद हिमांशु पंकज जैन मित्र मंडल के तत्वाधान में आयोजित सम्मेलन में भोपाल जैन समाज के मंदिर समितियां के अध्यक्ष पदाधिकारी के साथ सभी संगठनों के प्रमुख मौजूद थे सम्मेलन में प्रमुख रूप से विश्व शांति और विश्व में एकता के मूल मंत्र अहिंसा और क्षमा के लिए क्षमा दिवस घोषित करने की मांग की गई,,, सामाजिक कुरीतियों को दूर कर सामाजिक एकता का संकल्प लिया गया पप्रमुख वक्ताओं ने कहा कहा जैन धर्म जैन सिद्धांत में ऐसा दिन है क्षमा जो हर व्यक्ति के मन में साल के प्रत्येक दिन और 24 घंटे विद्यमान रहना चाहिए,, ऐसा समय आना चाहिए जब हम न्यूजपेपर और मीडिया में कोई बम ब्लास्ट कोई आतंकवादी घटना आपस में युद्ध लड़ाई झगड़ा की खबर ना देखे ना सुने बस यह समय आ जाए जब प्रभु नेत्र हीन को आंखें और मूक बधिर को बोली प्रदान कर सबको सुख करें प्राणी तो क्या कोई भी जीव जंतु न भूखा सोए ना सभी स्वस्थ हो सभी समाज ने णमोकार महामंत्र के पाठ के साथ प्रभु से सभी के मंगल मय जीवन की प्रार्थना की प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया सभी वक्ताओं ने आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का स्मरण करते हुए कहा उनके आदर्श और सिद्धांत वर्तमान में विश्व शांति के लिए मिल का पत्थर है हम सभी उस पर चलें और आचार्य श्री का सपना हबीबगंज रानी कमलापति का भव्य जिनालय का 3 साल के अंदर निर्माण कर भव्य पंचकल्याणक आचार्य समय सागर के सानिध्य में करे सभी ने करतल ध्वनि से अनुशंसा करते हुए अनुमोदन की सभी समर्पित होकर देश के भव्य जिनालय का निर्माण 3 साल में पूरा करेंगे, सभा में आने वाले समाज की शीर्ष संस्था के चुनाव दिगंबर पंचायत के चुनाव में पंकज जैन सुपारी को सर्व सम्मति से प्रत्याशी बनाया,इस अवसर पर स्नेह सम्मेलन में प्रमुख रूप से वर्तमान में सोशल मीडिया पर द्वेष पूर्ण वार्तालाप एक दूसरे को नीचे दिखाने की घटनाएं पर अविलम रोक लगाने की मांग करते हुए सोशल मीडिया का उपयोग सामाजिक समरसता सकारात्मक दिशा और दशा के लिए हो,,, अंत में सभी का आभार पंचायत कमेटी के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद हिमांशु ने माना सम्मेलन में प्रमुख रूप से न्यायाधीश विमला जैन पूर्व एडीजी पवन जैन आई ए एस सुरेश जैन मध्य प्रदेश बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट विजय चौधरी एस डी एम आदित्य जैन समाज के प्रमुख मनोज प्रधान रविंद्र जैन पत्रकार अखिलेंद्र जैन सहित अनेक लोग मौजूद थे संचालन विमल भंडारी और पंकज प्रधान द्वारा किया गया,,,,

सारंगपुर में अनंत चतुर्दशी का भव्य चल समारोह, झांकियों और अखाड़ों ने मोहा मन

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

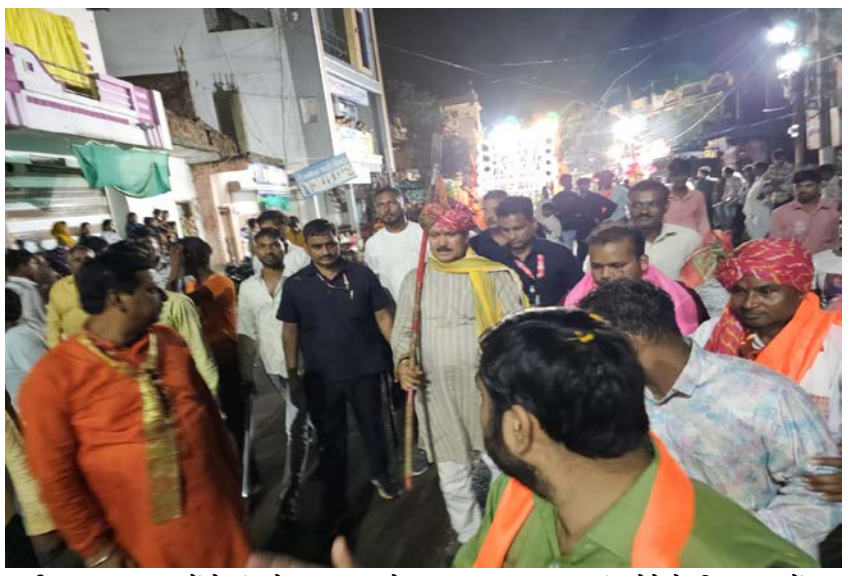

सनातन परंपरा के अनुसार, सारंगपुर में अनंत चतुर्दशी का भव्य चल समारोह धूमधाम से निकाला गया। इस विशाल चल समारोह में रंगीन झांकियों और अखाड़ों के हैरतअंगेज प्रदर्शन ने हजारों लोगों का मन मोह लिया। यह समारोह श्री सिद्ध हनुमान जी की आरती के बाद शुरू हुआ। सभी झांकियां और अखाड़े गांधी चौक पर एकत्रित हुए और वहां से नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गुजरे। हिंदू उत्सव समिति के आह्वान पर विभिन्न गणेश पंडालों ने भी इस समारोह में हिस्सा लिया।

आकर्षण का केंद्र रहीं झांकियां और अखाड़े- इस चल समारोह में कई मनोरम झांकियां शामिल थीं, जिनमें एकता समिति, बड़ी होली समिति, प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय और राम मंदिर पंडित वाड़ी, देश भक्ति से प्रेरित आपरेशन सिंदूर की झांकियां प्रमुख थीं। इसके अलावा, समीपस्थ ग्राम पढ़ाना और मऊ से भी आकर्षक झांकियां लाई गई थीं। वहीं, अखाड़ों का प्रदर्शन अद्भुत और रोमांचक था। कलाकारों ने मुंह से आग उगलने, लड्डु का प्रदर्शन करने और कई तरह के करतब दिखाकर दर्शकों को हैरान कर दिया। रात भर हजारों की संख्या में माताएं, बहनें, बच्चे और पुरुष इस समारोह का आनंद लेने के लिए सड़कों पर मौजूद रहे।

गणमान्य व्यक्ति रहे मौजूद- इस अवसर पर मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री डॉ. श्री गौतम टेटवाल, नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि निलेश वर्मा, मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद, और उनकी टीम सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सामाजिक संगठनों ने किया स्वागत- अनेक सामाजिक संस्थाओं जैसे नव शक्ति युवा मंच, सकल फूल माली समाज, सनातन धर्म रक्षा मंच, हिंदू उत्सव समिति और महादेव मित्र मंडल ने जगह-जगह मंच लगाकर कलाकारों और झांकियों का स्वागत किया। इस दौरान जल और पोहा वितरण की व्यवस्था भी की गई थी।

हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. ध्रुवल्ला भल्ला, संगठन महामंत्री सुशील व्यास और महादेव मित्र मंडल के अध्यक्ष ओम जी पुष्पद जैसे पदाधिकारियों ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। समारोह के अंत में सभी झांकियों और अखाड़ों को शील्ड, स्मृति चिन्ह और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। नगर पालिका की अधिकारियों एवं कर्मचारियों और पुलिस प्रशासन की सतर्कता से यह कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

मध्यप्रदेश शासन संस्कृति परिषद के निराला सृजन पीठ की वर दे श्रृंखला में शहर के कवियों ने अपनी रचनाओं से बांध दिया समां

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मध्यप्रदेश शासन संस्कृति परिषद के निराला सृजन पीठ की वर दे श्रृंखला में शहर के कवियों ने अपनी रचनाओं से समां बांध दिया निदेशक डॉ साधना बलवटे ने कहा कि हम निराला के व्यक्तित्व और कृतित्व पर एक पुस्तक का प्रकाशन करने जा रहे हैं। जिससे निराला जी के साहित्य के विविध पक्षों को उद्घाटित करते हुए आलेख शामिल किए जायेंगें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कवि एवं फिल्म निर्माता डॉ उदय रोमन जी ने कहा कि साहित्य के इस तरह के आयोजन कवियों के लिए प्रोत्साहन का काम करते हैं। रचना पाठ की कड़ी प्रतिभा श्रीवास्तव ने पढ़ा

मृत्यु के बाद नमक को
पलकों से उठाना होगा
यह कह,कहकर,
हमें इतना डराया गया कि
हमने नमक सहेजना सीख लिया

रितेश दुबे अपनी नई कविता से सभी की वाहवाही बटोरी , उन्होंने पढ़ा

पास बैठे मित्र से दूरियां, दूर वाले से आभासिक
नजदीकियिां, लाइक ,अनलाइक में उलझी है
दुनिया, स्क्रीन की दास बन गई है उंगलियां

महेश सोनी ने

!हाथ तो अपने बुलंदी से परे
पर ज़मीं ही पांव की धंसने लगी

जैसी रचनाएं पढ़ी

डॉ वर्षा चौबे ने

जागती आंखों ने फिर कोई सपना देखा है
भीड़ में आज कोई फिर अपना देखा है ।
डबडबा गई है पत्थर आंखें
रेगिस्तान में हमने कोई झरना देखा है।

रचना पढ़ी। सीमा शिवहरे ने

जिसकी गिनती थी कल बेचारोंकल बेचारों में,
वो भी शामिल हैं गुनहग़ारों में।
इस ज़मीं पर तो साथ दे न सका ,। जैसी
रोज कहता था चल सितारों में। उत्कृष्ट रचनाओ का पाठ को

सिहोर से पधारे आदित्य गुप्ता ने सुमधुर गीतों से समां बांधा

गा रहे हो प्रीत के अतीत गीत मीत क्यों।
हार में भी प्यार की विचारते हो जीत क्यों।

कुमार चंदन ने अपनी रचनाओं का पाठ में बहुत ही सुन्दर पंक्तियां पढ़ी

जो रिश्तों में प्यार जोड़ कर रखते हैं।
घर की हर दीवार जोड़कर रखते हैं।।
जीवन पथ पर वे ही विश्व विजेता हैं,
जो अपना परिवार जोड़कर रखते हैं।।

कमलेश नूर ने अपनी ग़ज़लों में शेर पढ़े

ऑखें में मेरी, प्यार का मंज़र नहीं देखा
उसने मिरी बाहों में, सिमटकर नहीं देखालोग
कहते हैं, मैं बाज़ार का जादूगर हूँ।
बेच देता हूँ मैं, मिट्टी को सितारा कर के

कार्यक्रम का कुशल संचालन कीर्ति श्रीवास्तव ने किया।

अस्थियों का विसर्जन मां नर्मदा के घाट पर भी किया जाएगा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दिनांक 10 तारीख को सुभाष नगर विश्रमघाट छोला विश्राम घाट विश्राम घाट से जो किसी कारण से अस्थियां संचय करके नहीं ले जा पाए थे उनकी अस्थियां का विसर्जन मां नर्मदा जी घाट पर किया जाएगा संस्कार सेवा समिति का आयोजन श्री विश्राम घाट कमेटी ट्रस्ट, भोपाल द्वारा संरक्षित सुभाष नगर विश्राम घाट पर दिवंगत शांति महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं अस्थि विसर्जन कार्यक्रम पितृपक्ष दिनांक 7 सितंबर से 21 सितंबर 2025 प्रतिदिन प्रात 9:00 बजे से लेकर 12:00 बजे तक पिंडदान तर्पण कर यज्ञ में आहुतियां दी जाएगी जिसमें संपूर्ण सामग्री संस्था द्वारा निशुल्क प्रदान की जाएगी इस पुनीत कार्य में अपने परिजनों को श्रद्धांजलि प्रदान कर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें, व 10 सितंबर को प्रातः 11:00 बजे विश्राम घाट में किन्हीं कारणो से छोड़ी गई या छूट गई अस्तियों को विश्राम घाट के सहयोग से संस्कार सेवा समिति द्वारा मां नर्मदा जी की गोद में प्रवाहित की जाएगी । 15 सितंबर से 21 सितंबर 2025 दोपहर 2:30 बजे लेकर शाम के 6:00 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन होगा जिसके कथा वाचक आचार्य जितेंद्र जी भार्गव के मुखारविंद से ज्ञान की गंगा का वचन होगा 21 सितंबर को शाम को पूर्णाहुति के उपरांत भंडारे का भी आयोजन किया गया है ।

भोपाल में श्रद्धा स्मृति दिवस : माता भगवती देवी शर्मा के महाप्रयाण दिवस पर महिला सशक्तिकरण का संकल्प

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अखिल विश्व गायत्री परिवार की वंदनीय मातृशक्ति माता भगवती देवी शर्मा जी के महाप्रयाण दिवस को 7 सितम्बर को गायत्री शक्तिपीठ भोपाल में श्रद्धा व भक्ति भाव से श्रद्धा स्मृति दिवस के रूप में मनाया गया। महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती मधु श्रीवास्तव ने माताजी के जीवन मूल्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि माताजी ने चार दशकों से अधिक समय तक महिला शिक्षा, संस्कार निर्माण और समाज सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया। आज उनकी प्रेरणा से महिलाएँ अपने अधिकारों, कर्तव्यों और शक्ति को पहचानकर समाज में नई दिशा दे रही हैं।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत गीत, नृत्य और 'दीप से मशाल की यात्रा' नामक नाटिका का मंचन हुआ, जिसने सभी को गहराई से प्रभावित किया। भोपाल की महिला चिकित्सकों और समाजसेविकाओं ने भी भाग लेकर "नारी शिक्षित–नारी सक्षम" की भावना को पुष्ट किया। करीब 500 से अधिक परिवारों की उपस्थिति ने इस श्रद्धा स्मृति दिवस को भावनात्मक और प्रेरणादायी बना दिया। कार्यक्रम का समापन दीप यज्ञ के साथ हुआ, जिसमें सैकड़ों दीप प्रज्वलित कर माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और समाज कल्याण व महिला सशक्तिकरण का सामूहिक संकल्प लिया गया। आज ही से गायत्री शक्तिपीठ पर श्राद्ध तर्पण पिंडदान का क्रम प्रारंभ हुआ है जो 16 दिन तक चलेगा । प्रतिदिन प्रातः 8:00 बजे से प्रारंभ हो जाता है कार्यक्रम निशुल्क है सभी आम जनों से निवेदन है सहभागी बन पुण्य अर्जित करे।

अनंत चतुर्थी गणेश विसर्जन के बाद विभिन्न घाटों का महापौर मालती राय ने निरीक्षण किया

	A	B	C	D
1	S.No	Category	Unit	Quantity
2	1	Paper	Kg	589
3	2	Books	Kg	220
4	3	Plastic	Kg	270
5	4	E Waste	Kg	170
6	5	Cartons	Kg	211
7	6	Polythene	Kg	79
8	7	Cloth	Kg	300
9	8	Iron	Kg	194
10	9	Steel	Kg	39
11	10	Aluminium	Kg	15
12	11	Brass	Kg	19
13	12	Copper	Kg	10
14	13	Batteries Small	Kg	27
15	14	Batteries Large	Piece	6
16	15	Tin	Kg	57

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

10 मार्केट में महापौर मालती राय ने देश का पहला अभिनव प्रयोग नगर निगम एवं NGO द्वारा संचालित कचरा कैफे का औचक निरीक्षण किया बिट्टन मार्केट, वोट क्लब के कचरा कैफे की भी विस्तृत जानकारी ली। वहीं अनंत चतुर्थी गणेश विसर्जन के बाद विभिन्न घाटों का महापौर मालती राय ने निरीक्षण किया घाटों की साफ सफाई का जायजा लिया एवं सफाई अभियान चलाया गया इस अवसर पर जोन अध्यक्ष श्रीमती बृजुला सचान, श्रीमती आरती अनेजा एवं अधिकारी गण उपस्थित रहे

और मुद्दा नहीं तो...

उल्लेखनीय बात है कि बिहार में वोटर अधिकार यात्रा में गाली देने की जहां यह घटना हुई, वहां राहुल और तेजस्वी गए ही नहीं थे। यात्रा जब 27 अगस्त को दरभंगा जिले से गुजर रही थी तो सिंहवाड़ा में अतरबेल गांव में एक स्वागत मंच लगाया गया था। ऐसे मंच यात्रा के रास्ते में जगह जगह लगे थे। कहीं राहुल और तेजस्वी रुकते थे। कहीं नहीं। अतरबेल के स्वागत मंच पर राहुल और तेजस्वी गए भी नहीं। गाली देने वाले को न कोई जानता है न उसकी कोई राजनीतिक पहचान है। और उसे गिरफ्तार भी कर लिया जाता है। भारत में खास तौर पर देश के हिंदी इलाकों में जो शब्द सबसे ज्यादा बोला जाता है वह मां और बहन की गाली ही है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने एक ही गाली का जिक्र किया। यदि वे गालियों के खिलाफ देश में कोई माहौल बनाना चाह रहे होते तो कहते कि इस तरह की हर गाली मां-बहन का अपमान है। मगर उन्होंने एक गाली की बात की और कहा कि यह मेरी मां को नहीं देश भर की महिलाओं को दी गई है। और इसके खिलाफ उन्होंने कांग्रेस और राजद के नेताओं के खिलाफ आंदोलन करने को कहा। देश में कौन व्यक्ति ऐसा होगा जिसने इस तरह की गाली नहीं सुनी हो। कमजोर ने अपने मुंह के सामने सुनी और पीढ़ियों से सुनाता आ रहा है और बाकी लोगों को पीठ पीछे दी गई। जैसे जिसका जिक्र मोदी जी कर रहे हैं वह। कहा जाता है कि पीठ पीछे तो राजा को भी गाली दी जाती है। मगर राजा को उसके नाम पर वोट नहीं लेना होते है इसलिए वह कभी मुद्दा नहीं बन पाई। और अब तो राजा रानी है नहीं मगर उनके बाद जो लोकतंत्र आया तो सबसे ज्यादा गालियां देश में लोकतंत्र लाने के लिए अंग्रेजों और राजा महाराजाओं से भी लड़ने वाले नेहरू-गांधी परिवार को मिलीं। उनकी गालियों के लिए तो भक्त कहते हैं क्यों मिलीं? मतलब गालियों को ही जस्टिफाई करते हैं। मगर यहां किसी एक ने भी समर्थन नहीं किया। देने वाला व्यक्ति तत्काल गिरफ्तार भी हो गया। सबने उसकी कड़े शब्दों में निंदा की। यहां एक बात और उल्लेखनीय है। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा जहां यह घटना हुई, वहां राहुल और तेजस्वी गए ही नहीं थे। यात्रा जब 27 अगस्त को दरभंगा जिले से गुजर रही थी तो सिंहवाड़ा में अतरबेल गांव में एक स्वागत मंच लगाया गया था। ऐसे मंच यात्रा के रास्ते में जगह जगह लगे थे। कहीं राहुल और तेजस्वी रुकते थे। कहीं नहीं। अतरबेल के स्वागत मंच पर राहुल और तेजस्वी गए भी नहीं।

यात्रा जब काफी आगे निकल गई और नेता कार्यकर्ता सब उसके साथ चले गए तब यह गाली दी गई। और देने के साथ ही आवाजें आती हैं कि गलत बात गलत बात है और गाली देने वाले से माइक छीन लिया जाता है। गाली देने वाले को न कोई जानता है। न उसकी कोई राजनीतिक पहचान है। और उसे गिरफ्तार भी कर लिया जाता है। जैसा कि राहुल ने कहा कि क्या मैंने या तेजस्वी ने गाली दी? क्या मेरे सामने गाली दी? इसका कोई जवाब नहीं है। जबकि जो मोदी जी जो गाली को मुद्दा बना रहे हैं खुद उन्होंने क्या क्या कहा है कांग्रेस की विधवा, जर्सी गाय, 50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड, सुर्पणखा, दीदी ओ दीदी, कांग्रेस को सवा सौ साल की बुढ़िया, कब्रिस्तान श्मशान जैसी तुलनाएं कितना बताएं! और उनकी पार्टी के नेताओं की जिनमें मंत्री और मुख्यमंत्री भी शामिल हैं की गालियों की तो बात ही क्या। बहुत ही गलत विषय पर मोदी जी चले गए। राहुल की यात्रा का यह पेनिक रिएक्शन था। जापान और चीन की यात्रा से उन्होंने सोचा था कि देश में माहौल बन जाएगा। वैसे फोटो और खबरें गोदी मीडिया में चलाए भी गए। मगर इस बार वास्तविक सवालों को हेडलाइन मैनेजमेंट दबा नहीं पाया। सच्चाई पर कहानियां हावी नहीं हो पाईं। आज सब देख रहे हैं कि चीन की सैन्य परेड में भी पाकिस्तान के आर्मी चीफ मुनीर स्पेशल गेस्ट हैं। वहां अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप उन्हें लंच पर बुलाते हैं।

यह भारत को नीचा दिखाना नहीं है। भारत एक बड़ा और मजबूत देश है उसे इन छोटी मोटी हरकतों से फर्क नहीं पड़ता है। यह खुद को विश्वगुरू बताने वाले मोदी जी को आईना दिखाना है। अभी जापान और चीन की यात्रा के बाद भी वही कहानी कि हम ही हम हैं। दुनिया के सारे देशों के राष्ट्राध्यक्ष मोदी जी मोदी जी कर रहे थे। इस आत्मश्लाघा का इलाज क्या है! इलाज तो है भारत की छवि पेश करना। मगर यहां तो देश से ऊपर खुद को रखने का काम हो रहा है। भारत में पैदा होना और रहना शर्म की बात कह दी गई। और किसी ने नहीं खुद प्रधानमंत्री मोदी ने। और वह भी विदेश में। तो आप समझ सकते हैं कि जब प्रधानमंत्री खुद ऐसा बोलते हों कि यह भी कोई देश है महाराज तो उनकी पार्टी के बाकी लोग क्या बोलेंगे! उन्होंने देश को 2014 में आजाद करवाया। और ऐसे लोगो को ईनाम मिलता है। कंगना रनौत जिन्होंने भारत की आजादी की तारीख बदल दी उन्हें लोकसभा की सीट दे दी। और गालीबाजों की तो बात ही क्या? एक महिला नेता रेखा गुप्ता ने तो मां की इतनी गंदी गंदी गालियां दीं कि लिखने में भी शर्म आती है। जिन पाठकों को नहीं मालूम वे गूगल कर जान सकते हैं। लेकिन इनाम में क्या मिला इसके लिए कुछ ढुंढने की जरूरत नहीं वह सबको मालूम है। दिल्ली के पुराने पुराने नेता रह गए और उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया गया। मणिपुर में तो महिलाओं के साथ सड़क पर नग्न जुलूस निकालकर जो हुआ उसकी अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की गई। मगर प्रधानमंत्री वहां गए तक नहीं। सुना अब जा रहे हैं। दोहरी समस्याओं से घिरे हुए हैं। देश के साथ विदेशों में छवि खराब हो गई है। सारी कवायदें छवि को बचाने के लिए हैं। बिहार में 4 सितम्बर गुरूवार को आधे दिन का बंद आयोजित किया है। राहुल की बिहार यात्रा ने वाकई बड़ी चोट पहुंचाई है। 17 अगस्त जब राहुल ने यात्रा शुरू की थी उससे पहले बिहार में भाजपा अपनी स्थिति मजबूत मान रही थी। मगर राहुल की यात्रा के पहले चरण ने तस्वीर बदल दी। यात्रा का दूसरा दौर भी होगा। मोदी के लिए जवाब देना मुश्किल होता चला जा रहा है।

विष्णु के दशावतारों के पूजन का दशावतार व्रत

भारतीय परंपरा व सनातन धर्म में विभिन्न देवताओं के अवतार की मान्यता है। विष्णु, शिव और अन्य देवी-देवताओं के कई अवतार माने गये हैं। मान्यतानुसार धर्म की हानि और अधर्म का उत्थान होने पर सज्जनों के परित्राण और दुष्टों के विनाश के लिए इनका अवतरण होता है। त्रिदेवों में से एक भगवान विष्णु ब्रह्मांड के निर्माण के बाद उसके विघटन तक उसका संरक्षण, पालन- पोषण करते हैं। मानवता को अन्याय व अधर्म के गर्त से निकालकर उसे सत्य मार्ग प्रदर्शन हेतु अवतरित होने वाले भगवान विष्णु के आमतौर पर दस अवतार माने गये हैं। भगवान विष्णु के इन दस अवतारों को संयुक्त रूप से दशावतार कहा जाता है।पौराणिक मान्यतानुसार भगवान विष्णु के अब तक सतयुग में मत्स्य, कूर्म, वराह, त्रेतायुग में नरसिंह, वामन, परशुराम, राम और द्वापर युग में बलराम, श्रीकृष्ण अवतार हो चुके हैं, और दुष्टों को दंडित, भलों को पुरस्कृत, धर्म व सत्य के प्रतिस्थापन और सतयुग का उद्घाटन करने के लिए वर्तमान कलियुग के अन्त में श्रीविष्णु के दशम अवतार कल्कि का प्रकटन होगा। और उनके द्वारा आततायी राक्षस कलि का वध होगा। कलि का वध करने के कारण ही इन्हें कल्कि (कल्किं/ कल्की) संज्ञा अभी से ही प्राप्त है।कतिपय पौराणिक ग्रन्थों में विष्णु के दस अवतारों में बलराम को नहीं शामिल कर उनके स्थान पर वेंकटेश्वर अथवा बुद्ध को शामिल किया गया है। और बलराम को श्रीकृष्ण के पूर्व तथा वेंकटेश्वर को श्रीकृष्ण के पश्चात अवतरित होना बताया गया है। दशावतार के संबंध में विभिन ग्रन्थों में अंकित सूचियों में अंतर अथवा भिन्नता भी है। एक मान्यतानुसार श्रीकृष्ण ही परमात्मा हैं और दशावतार श्रीकृष्ण के ही दस अवतार हैं। इसलिए उनकी सूची में श्रीकृष्ण नहीं, बल्कि उनके स्थान पर बलराम होते हैं। कुछ लोग बलराम को एक अवतार मानते हैं, बुद्ध को नहीं। सामान्यतः बलराम को आदिशेष अर्थात विष्णु के विश्राम के आधार का अवतार माना जाता है।वैदिक मतानुसार सर्वत्र व्यापक, सर्वशक्तिमान, निराकार परमात्मा का अवतरण संभव नहीं, लेकिन पौराणिक मान्यताओं में अवतार का अर्थ प्रायः उतरना माना जाता है। पौराणिक मान्यतानुसार पंचम भूमि असंसक्ति अवस्था है। इस अवस्था में योगी समाधिस्थ हों अथवा उससे उठे हों, वह ब्रह्मभाव से कभी विचलित नहीं होते अथवा संसार के दृश्यों को देखकर विमुग्ध नहीं होते। यही शुद्ध, पक्की योगारूढ़ावस्था है। इस अवस्था में रहकर सब काम किया भी जा सकता है और नहीं भी किया जा सकता है। साधारणतः महायोगीश्वर पुरूष तथा अवतारी पुरुष इसी अवस्था में रहते हैं और इसी अवस्था में रहकर समस्त जगत लीला का संपादन करते हैं।भागवत पुराण के अनुसार समस्त जगत लीला का संपादन करने के लिए विष्णु के असंख्य अवतार हुए हैं, किन्तु उनके दस अवतारों अर्थात दशावतार को प्रमुख अवतार माना जाता है। भागवत पुराण, अग्निपुराण और गरुड़पुराण में उल्लिखित विष्णु के दस अवतार से संबंधित सूची में मत्स्य, कूर्म, वराह, नरसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, वेंकटेश्वर, कल्कि नाम शामिल हैं। भागवत पुराण की भविष्यवाणी के अनुसार इस युग के अंत में कल्कि अवतार होगा। इससे अन्याय और अनाचार का अंत होगा तथा न्याय का शासन होगा जिससे सत्य युग की फिर से स्थापना होगी।पुराणों के अतिरिक्त आम भारतीयों में सर्वप्रचलित ग्रंथ सुखसागर के अनुसार भगवान विष्णु के चौबीस अवतार हैं- सनकादि ऋषि, वराहावतार, नारद मुनि, हंसावतार, नर-नारायण, कपिल, दत्तात्रेय, यज्ञ, ऋषभदेव, पृथु, मत्स्यावतार, कूर्म अवतार, धन्वन्तरि, मोहिनी, हयग्रीव, नृसिंह, वामन, श्रीहरि गजेंद्रमोक्ष दाता, परशुराम, वेदव्यास, राम, कृष्ण, वेंकटेश्वर, कल्कि।सिखों के दशम गुरु गुरु गोविन्द सिंह द्वारा रचित दशम ग्रंथ में विष्णु के चौबीस अवतारों मेंमछ (मत्स्य), कच्छ (कच्छप या कूर्म), नारायण, महा मोहिनी (मोहिनी), बैरह (वाराह), नर सिंह (नृसिंह), बावन (वामन), परशुराम, ब्रह्म, जलन्धर, बिशन (विष्णु), शेशायी (शेष), अरिहन्त देव, मनु राजा, धन्वन्तरि, सूरज, चन्दर, राम, बलराम, कृष्ण, नर (अर्जुन), बुद्ध। कल्कि शामिल हैं।भारतीय संस्कृति व परंपरा में अवतारवाद की व्याख्या कई प्रकार से की गई हैं। आध्यात्मिक, पौराणिक ढंग से तो इनकी व्याख्या पौराणिक ग्रंथों व रामायण, महाभारत आदि महाकाव्यों में की ही गई है, अन्य ढंग से इनकी व्याख्या समय-समय पर की जाती रही है, उनमें पस्पर असमानताएं, विषमताएं व विरोधाभास भी है। एक मत के अनुसार भगवान विष्णु के दस अवतार की कथाएं सृष्टि की जन्म प्रक्रिया को दर्शाते हैं। इस मतानुसार जल से ही सभी जीवों की उत्पति हुई। इसलिए भगवान विष्णु सर्वप्रथम जल के अन्दर मत्स्य रूप में प्रगट हुए। फिर कूर्म बने। तत्पश्चात वराह रूप में जल तथा पृथ्वी दोनों का जीव बने। नरसिंह, आधा पशु- आधा मानव, पशु योनि से मानव योनि में परिवर्तन का जीव है। वामन अवतार बौना शरीर है, तो परशुराम एक बलिष्ठ ब्रह्मचारी का स्वरूप है, जो राम अवतार से गृहस्थ जीवन में स्थानांतरित हो जाता है।कृष्ण अवतार एक वानप्रस्थ योगी, और बुद्ध पर्यावरण के रक्षक हैं। पर्यावरण के मानवी हनन की दशा सृष्टि को विनाश की ओर धकेल देगी। अतः विनाश निवारण के लिए कलंकि अवतार की भविष्यवाणी पौराणिक ग्रन्थों में पूर्व से की गई है। एक अन्य मतानुसार दस अवतार मानव जीवन के विभिन्न पड़ावों को दर्शाते हैं। मत्स्य अवतार शुक्राणु है, कूर्म भ्रूण, वराह गर्भ स्थिति में बच्चे का वातावरण, तथा नर-सिंह नवजात शिशु है। आरम्भ में मानव भी पशु जैसा ही होता है। वामन बचपन की अवस्था है, परशुराम ब्रह्मचारी, राम युवा गृहस्थी, कृष्ण वानप्रस्थ योगी तथा बुद्ध वृद्धावस्था का प्रतीक है। कलंकि मृत्यु पश्चात पुनर्जन्म की अवस्था है। दशावतार को विकासवादी डार्विन के सिद्धान्त से जोड़ने की कोशिश करते रहे हैं। इस विचार के अनुसार अवतार जलचर से भूमिवास की ओर बढ़ते क्रम में हैं, फिर आधे जानवर से विकसित मानव तक विकास का क्रम चलते गया है। इस प्रकार दशावतार क्रमिक विकास का प्रतीक अथवा रूपक की तरह है।भारतीय संस्कृति में भगवान विष्णु के इन दशावतारों के स्वतंत्र व संयुक्त रूप से पूजन- अर्चन की भी परंपरा है। स्वतंत्र रूप से पृथक-पृथक अवतरण दिवस तथा संयुक्त रूप से दशावतार व्रत विधि- विधान से मनाए जाने का वृहत उल्लेख पौराणिक ग्रंथों में हुआ है। भगवान विष्णु के दस अवतारों को समर्पित दशावतार व्रत भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को किए जाने की पौराणिक परिपाटी है। यह व्रत समस्त पाप नाश, सम्पूर्ण कष्ट निवारण और मोक्ष प्राप्ति के उद्देश्य से किया जाता है। मान्यता है कि इस तिथि को भगवान विष्णु की पूजा विधि- विधानानुसार सच्ची श्रद्धा और भक्ति भाव से करने पर जीवन आनंदमय व्यतीत होता है।इसलिए भाद्रपद शुक्ल दशमी के दिन ब्रह्मबेला में स्नान-ध्यान कर स्वच्छ वस्त्र धारण कर रोली, अक्षत, दीपक, पुष्प, नारियल आदि सामग्रियों से भगवान विष्णु का ध्यान कर दीपक जलाकर पंचोपचार पूजन करने का विधान किया गया है। विष्णु मंत्र- ॐ नमो भगवते वासुदेवाय का जाप तथा विष्णु सहस्रनाम, दशावतार की कथा का पठन- पाठन, श्रवण- श्रावण शुभ व उत्तम फलदायी माना गया है।

मुनीर है ट्रंप, शी के खास और मोदीजी ?

हिसाब से भारतीय सेना, भारत के हर देशभक्त को चीन की सैन्य परेड से जाहिर ताकत पर सोचना चाहिए। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने तीन सितंबर को बीजिंग की परेड से न केवल अमेरिका के आगे, उसकी बराबरी की सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया, बल्कि बगल में पुतिन, किम जोंग उन तथा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उनके आर्मी चीफ मुनीर सहित दक्षिण एशिया के उन देशों के प्रमुखों को बैठा कर बताया कि भारत अब क्या हैं! मालदीव, नेपाल से लेकर म्यांमार के सैनिक राष्ट्रपति सहित कोई बीस देशों के नेता शी जिनपिंग की बारात के खास मेहमान थे। गनीमत जो भारत के प्रधानमंत्री मोदी बारात में शामिल नहीं हुए। वे एक दिन पहले एससीओ की बैठक से शगुन दे कर लौट आए। आखिर वे कैसे उन जनरल मुनीर के साथ चीनी महाशक्ति के पूछल्ले का फोटो ऑप देते जहां ले देकर वे बारात में बिना बुलाए एक पड़ोसी की तरह कोने में खड़े दिखते। एससीओ की बैठक में मोदी के जाने का मूल मकसद ट्रंप की दादागिरी के आगे शी जिनपिंग और पुतिन के साथ फोटो खिंचवाने का था। ताकि भारत में लोगों को विदेश नीति में भी हरियाली की झांकी दिखे। वह काम हुआ तो प्रधानमंत्री का काफिला लौट आया। पर चीन के अंतरराष्ट्रीय जलवे का असल वैश्विक

नजारा तीन सितंबर की परेड़ थी। इससे भारत की हैसियत का भी खुलासा था। पाकिस्तान के पर्याय हुए जनरल मुनीर जहां पुतिन से वार्ता करते हुए थे तो शी जिनपिंग से भी मंत्रणा। सोचें भला कैसे ट्रंप ने भी अपनी सैन्य परेड में जनरल मुनीर को खास मेहमान बना कर बैठाया, उन्हे व्हाइट हाऊस में लंच कराया तो शी जिनपिंग ने भी सैन्य परेड में मुनीर को बैठाया।

बहरहाल विश्व व्यवस्था और विश्व राजधानियों में चीन अब अमेरिका के बराबर की क्षमता वाली हैसियत में है। उसने हाल में भारत से लड़ाई (ऑपरेशन सिंदूर) में पाकिस्तान को सक्रियता से सैन्य मदद की तो जनरल मुनीर का जलवा भी बढ़ाया। वह पाकिस्तान की आर्थिकी में अलग मददगार है। उधर अमेरिका के संग पाकिस्तान का खुफियाई नाता फिर से बढ़ता हुआ है। खाड़ी के देश भी उसके आर्थिक मददगार हैं। भारत का ले दे कर रूस से धंधा पटा हुआ है। लेकिन बीजिंग में पुतिन की भाव भंगिमा यह साफ बतलाते हुए थी कि वह भले भारत को हथियार बेचे, भले मोदी को अपनी कार में घूमाएं लेकिन पुतिन का दिल अब चीन, उत्तर कोरिया से बंध गया है। वे शी जिनपिंग के बंधुआ हैं। सो, चीन अपनी धुरी में रूस-उत्तर कोरिया-ईरान को बांध अमेरिका और पश्चिमी सभ्यता से अलग दुनिया रचने की चौसर बिछा चुका है। वही भारत महज तमाशबीन है। अर्थात विश्व राजनीति का मौजूदा वक्त भविष्य की ताकत का फैसला करता हुआ है मगर भारत के प्रधानमंत्री की रीति-नीति केवल और केवल भारत के लोगों को उल्लू बनाने के हरे-भरे फोटो–ऑप कराने भर की है। याद करें, ग्यारह साल पहले मोदी ने शी जिनपिंग के साथ साबरमती के किनारे जब झूला झूला था तब भारत की उभरती इकोनॉमी का डंका ओबामा के कानों में गूंजता था। चीन ने डॉ. मनमोहन सिंह की कमान के भरोसे में ब्रिक्स बनाया था। भारत का जापान, आसियान से ले कर यूरोप में सम्मान था। चीन तब बराबर सा था। पाकिस्तान का महत्व घटता हुआ था। अब आज क्या स्थिति है? भारत और उसके प्रधानमंत्री चौबीसों घंटे यह दिखलाने में जुटे हैं कि देखों ऑपरेशन सिंदूर की हमारी शूरवीरता को! या ट्रंप के साथ हमारी दोस्ती को नहीं, नही पुतिन, शी जिनपिंग के साथ मोदीजी का फोटो देखो। देखो, हमारा झंडा लहरा रहा। देखो मोदीजी का वैश्विक कद और बढ़ा। देखो, हरियाली से कैसे भरी हुई है भारत की विदेश नीति!

अमेरिका कर रहा घाटे के सौदे

अमेरिका जिन देशों (भारत सहित) की प्रतिष्ठा पर स्वयंभू लोकतंत्र, मानवाधिकार और नैतिकता की दुहाई देता रहा था, उनकी कीमत पर वह उस बदहाल और आतंकवाद के कारखाने पाकिस्तान को तरजीह दे रहा है, जिसने 9/11 के साजिशकर्ता ओसामा बिन लादेन को पनाह दी और उसकी आर्थिक मदद से जिहादी शक्तियों को पुष्ट किया। ऐसे विरोधाभासों के बीच क्या अमेरिका लंबे समय तक 'सुपरपॉवर' बना रह पाएगा? अमेरिका का क्या पतन शुरू हो गया है? यह कोई जुमला या महज कोरी बातें नहीं, बल्कि इतिहास का वह कालचक्र है, जिसमें एक निर्णायक मोड़ के बाद बड़े से बड़े साम्राज्यों का पतन हो गया। चाहे वह फारसी हखामनी साम्राज्य (550–330 ईसा पूर्व) हो या इस्लामी मुगलकाल (1526-1707)— सबका खात्मा हुआ है। दूसरे विश्वयुद्ध और भारतीय उपमहाद्वीप से रुखसती के बाद ब्रिटिश साम्राज्य का परचम भी ढह गया था। उस समय अमेरिका द्वारा दिए गए $3.75 बिलियन— यानि आज के दौर में 5 लाख करोड़ से भी अधिक— के कर्ज पर ब्रिटेन अपने खोखलेपन को छिपाने की कोशिश कर रहा था।

लगभग यही स्थिति आज अमेरिका की भी हो गई है। अमेरिकी कोषागार विभाग की मानें, तो अमेरिका पर वर्ष 2019 तक करीब 27 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था, जो अगस्त 2025 में बढ़कर 37 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था (जीडीपी) के कुल आकार लगभग 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है। इसलिए संदेह पैदा होता है कि क्या राष्ट्रपति ट्रंप दुनिया के बाकी देशों पर बेतुका टैरिफ लगाकर अपने देश का कर्ज उतारना चाह रहे है?

वर्ष 1945 के बाद दुनिया दो ध्रुवों में बंट गई— एक तरफ अमेरिका और दूसरी तरफ सोवियत संघ। अमेरिका ने खुद को मानवाधिकार, मुक्त-व्यापार और लोकतंत्र का सबसे बड़ा रखवाला बताना शुरू कर दिया। दुनियाभर के काबिल उद्यमी बेहतर भविष्य की तलाश में अमेरिका भागने लगे। जिन वैज्ञानिकों ने अमेरिका में पहला परमाणु परीक्षण "ट्रिनिटी टेस्ट" किया, उनमें से कई जन्म से अमेरिकी नहीं थे। विडंबना देखिए, जिसने 1945 में जापान (हिरोशिमा-नागासाकी) पर परमाणु हमले करके दुनिया को दहला दिया, वही अमेरिका आगे

चलकर दूसरों को परमाणु हथियार न बनाने का हिमायती बन गया।

इतना ही नहीं, दुनिया को नियम-कानून का पाठ पढ़ाने वाला अमेरिका खुद अपने हितों के लिए इनकी धज्जियां उड़ाता रहा है। निसंदेह, फरवरी 2022 से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध अब थमना चाहिए। भारत का आधिकारिक रुख भी यही है। लेकिन यह विरोधाभास की पराकाष्ठा है कि वर्ष 2003 में मीलों दूर इराक पर 'विनाशकारी हथियारों' के बहाने धावा बोलने वाला अमेरिका, रूस की 'आत्मरक्षा' में की जा रही सैन्य-कार्रवाई को 'अपराध' बता रहा है।

बात केवल यही तक सीमित नहीं है। अमेरिका का शीतयुद्ध के दौरान कई देशों की सरकारें पलटने, नेताओं को हटाने और सीधे-सीधे हमले करने का काला इतिहास रहा है। यहां तक, अमेरिका ने अपने ही हितों के लिए 1980 के दशक में इस्लामी आतंकवाद के वर्तमान स्वरूप का बीज बोया था। 1991 में सोवियत संघ टूटने के बाद लगा कि दुनिया पर अमेरिका का ही एकाधिकार रहेगा। लेकिन हाल के घटनाक्रम बताते हैं कि अमेरिका की गिनती अब उल्टी दिशा में शुरू हो चुकी है।

अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सामरिक-आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण चीन और जापान की यात्रा पर थे। इस दौरान एक ऐसा घटनाक्रम हुआ, जिसे भारतीय मीडिया या तो नजरअंदाज कर गया या फिर उसका महत्व नहीं समझ पाया। ट्रंप प्रशासन जापान पर अमेरिकी चावल के लिए अपना बाजार खोलने का दबाव बना रहा था। इसे अस्वीकार करने के बाद, बकौल निक्केई एशिया की रिपोर्ट, जापान के मुख्य वार्ताकार रयोसेई अकाजावा ने अमेरिका का दौरा रद्द कर दिया। ऐसा ही दबाव ट्रंप प्रशासन भारत पर भी डाल रहा था कि वह अमेरिकी गायों— जो मांसाहारी चारा खाती हैं— उसका दूध खरीदे और अमेरिकी किसानों के लिए अपना बाजार खोल दें। जब भारत ने इसे राष्ट्रहित में ठुकरा दिया, तब राष्ट्रपति ट्रंप ने रूसी तेल-क्रय का बहाना बनाकर भारत पर 50% तक का टैरिफ जड़ दिया। यह संभवतः पहली बार है, जब अमेरिका की शर्तों पर चलने से दुनिया के कई देशों ने सीधा इनकार किया है।

असल में, ट्रंप की बौखलाहट का कारण बदलता वैश्विक शक्ति-संतुलन और आर्थिक समीकरण भी है। भारत, चीन, रूस और ब्राजील की अगुवाई वाले ब्रिक्स ने अमेरिका के नेतृत्व वाले जी-7 को वैश्विक उत्पादन में पीछे छोड़ दिया है। इसमें जहां ब्रिक्स का योगदान 35% है, तो जी-7 का 28%। इसी तरह वैश्विक आबादी में 49% और वैश्विक जीडीपी में 40% हिस्सेदारी ब्रिक्स को और अधिक ताकतवर बना देती है। स्पष्ट है कि दुनिया से अमेरिका (पश्चिमी देशों सहित) का वर्चस्व घट रहा है। बात आर्थिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। दुनिया में समाज कैसा होना चाहिए, उसपर भी पश्चिमी देशों का एकाधिकार था। यह सोच औपनिवेशिक मानसिकता से निकली थी। 1945 से स्थापित संयुक्त राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विभाग ने 1951 में दुनिया की प्राचीन सभ्यताओं (भारतीय संस्कृति सहित) की जड़ों को काटकर पश्चिमी 'विकास मॉडल' थोपने का प्रयास किया। लेकिन इसका नतीजा क्या निकला? इसका सबसे बड़ा उदाहरण अमेरिका है। आज वहां करोड़ों नौजवान अकेलेपन और अवसाद से जूझ रहे हैं। इसलिए अमेरिका में हर साल 400–600 सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं होती हैं। वर्ष 1960 में अकेले रहने वाले अमेरिकियों की संख्या 13% थी, जो 2022 में बढ़कर 29% हो गई। तलाक की दर 40 से 80 प्रतिशत तक पहुंच गई। एक-तिहाई अमेरिकी युवा अपने माता-पिता के साथ नहीं रहना चाहते, इसलिए बुजुर्गों की देखभाल का बोझ सरकार पर आ गया। 2019 में अमेरिकी सरकार को इसके लिए 1.5 ट्रिलियन डॉलर खर्च करने पड़े थे, जिसके 2029 तक दोगुना होने की आशंका है। ऐसे कई उदाहरण है। वर्ष 2007–08 की आर्थिक मंदी के बाद संयुक्त राष्ट्र को मानना पड़ा कि विकास का आधार स्थानीय संस्कृति ही है। मशहूर पत्रिका 'द इकॉनॉमिस्ट' ने 2019 में ही लिख दिया था कि "वैश्वीकरण मर चुका है"। साफ है कि जिस अमेरिकी मॉडल को पूरी दुनिया पर थोपने की कोशिश हुई, वही आज खुद अमेरिकी समाज को गहरे संकट और असंतुलन में धकेल रहा है। कुल मिलाकर कहे, तो अमेरिका जिन देशों (भारत सहित) की प्रतिष्ठा पर स्वयंभू लोकतंत्र, मानवाधिकार और नैतिकता की दुहाई देता रहा था, उनकी कीमत पर वह उस बदहाल और आतंकवाद के कारखाने पाकिस्तान को तरजीह दे रहा है, जिसने 9/11 के साजिशकर्ता ओसामा बिन लादेन को पनाह दी और उसकी आर्थिक मदद से जिहादी शक्तियों को पुष्ट किया। ऐसे विरोधाभासों के बीच क्या अमेरिका लंबे समय तक 'सुपरपॉवर' बना रह पाएगा?

पंजाब में जलस्तर थोड़ा कम होने से बाढ़ की स्थिति सुधरी, दो दिनों में बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं लेकिन तबाही बरकरार...

एजेंसी नई दिल्ली

पंजाब में जलस्तर थोड़ा कम होने से बाढ़ की स्थिति सुधरी है आने वाले दो दिनों में भारी बारिश का कोई अनुमान नहीं है। हालाँकि भाखड़ा और पौंग बांधों से नियंत्रित मात्रा में पानी छोड़ना अभी भी चिंता का विषय है, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है। पंजाब में जलस्तर थोड़ा कम होने से बाढ़ की स्थिति सुधरी है आने वाले दो दिनों में भारी बारिश का कोई अनुमान नहीं है। हालाँकि भाखड़ा और पौंग बांधों से नियंत्रित मात्रा में पानी छोड़ना अभी भी चिंता का विषय है, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि अत्यधिक पानी छोड़े जाने से आगे कोई खतरा नहीं होगा। इस बीच, पिछले दो दिनों में बाढ़ से तबाह राज्य में किसी और जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन 23 जिलों के 1948 गाँवों में प्रभावित 3.84 लाख लोग अभी भी बाढ़ से हुए नुकसान से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। खड़ी फसलों के अलावा, कई लोगों ने अपने घर भी खो दिए हैं। आकाशवाणी संवाददाता की रिपोर्ट है कि पिछले गुरुवार को प्रधानमंत्री के निर्देश पर पंजाब के दौरे पर आए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब में आई भीषण बाढ़ के लिए अवैध खनन को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र राज्य में राहत और पुनर्वास के लिए एक अल्पकालिक, मध्यम और दीर्घकालिक योजना तैयार करेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को भी पूरी गंभीरता से ज़मीनी स्तर पर काम करना होगा।

पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस ने रविवार को कहा कि राज्य में बाढ़ के कारण हाल में बंद किये गए स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय नौ सितंबर से फिर से खुल जाएंगे। मंत्री ने कहा कि यदि कोई स्कूल या कॉलेज बाढ़ से प्रभावित होता है, तो उसे बंद करने का निर्णय संबंधित उपायुक्त द्वारा लिया जाएगा। पंजाब सरकार ने राज्य में दशकों की सबसे भीषण बाढ़ के मद्देनजर हाल में सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों को सात सितंबर तक बंद करने का आदेश दिया था। रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में, बैंस ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी, निजी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय फिर से खुलेंगे। राज्य सरकार ने सभी 23 जिलों को बाढ़ प्रभावित घोषित कर दिया है। शुक्रवार के आंकड़ों के अनुसार, 1,902 गाँव जलमग्न हो गए हैं, 3.8 लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 11.7 लाख हेक्टेयर से ज़्यादा कृषि भूमि नष्ट हो गई है। कम से कम 43 लोग मारे गए हैं। सबसे ज़्यादा प्रभावित उत्तरी जिला गुरदासपुर है, जहाँ 329 गाँव और 1.45 लाख लोग प्रभावित हुए हैं और 40,000 हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई है।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को पंजाब के फिरोजपुर जिले में बाढ़ प्रभावित सीमावर्ती गांवों और चौकियों का दौरा किया और हालात का जायजा लिया। एक अधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बीएसएफ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पंजाब फ्रंटियर के महानिरीक्षक अतुल फुलजेले ने प्रीतम सिंह वाला, पचरियां, पल्ला मेघा, जखरावां, बस्ती रामलाल, कामलेवाला डुलचिके और किलचे गांवों का दौरा किया। बयान के अनुसार उन्होंने ग्रामीणों से भी बातचीत की और उन्हें बीएसएफ के त्वरित और निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। एसएफ द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविरों का दौरा करते हुए, फुलजेले ने स्थानीय लोगों से ऐसे शिविरों के माध्यम से मुफ्त चिकित्सा और पशु चिकित्सा सुविधाओं का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया, जो पंजाब सीमा से लगे क्षेत्रों में बाढ़ प्रभावित गांवों में अगले कुछ दिनों तक प्रतिदिन आयोजित किए जाने की योजना है। बयान में कहा गया है कि आईजी ने प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद बचाव और राहत कार्यों में लगे बीएसएफ जवानों के अथक प्रयासों की सराहना की। बयान में कहा गया है कि उनके दौरे से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अग्रिम मोर्चे पर तैनात बीएसएफ कर्मियों का मनोबल काफी बढ़ा है। पंजाब इस समय बाढ़ आपदा का सामना कर रहा है।

पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जबकि 1.75 लाख हेक्टेयर भूमि पर खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), सेना, सीमा सुरक्षा बल, पंजाब पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। पंजाब दशकों में आई सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण सतलुज, ब्यास और रावी नदियों तथा मौसमी नालों के उफान के चलते यह स्थिति बनी है।

इसके अलावा, हाल के दिनों में पंजाब में हुई भारी बारिश ने हालात को और गंभीर कर दिया है, जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को पोंग बांध का जलस्तर मामूली घटकर 1,394.19 फुट दर्ज किया गया, हालांकि यह अब भी उसकी अधिकतम सीमा 1,390 फीट से चार फुट ऊपर है। शुक्रवार शाम बांध का जलस्तर 1,394.8 फुट था। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को बांध में पानी का प्रवाह 99,673 क्यूसेक था, जो घटकर 47,162 क्यूसेक रह गया, जबकि निकासी 99,673 क्यूसेक पर यथावत बनी रही। भाखड़ा बांध के मामले में शनिवार को जलस्तर 1,678.14 फुट दर्ज किया गया, जो शुक्रवार को 1,678.47 फुट था। सतलुज नदी पर बने इस बांध में पानी का प्रवाह 62,481 क्यूसेक और निकासी 52,000 क्यूसेक रही।

राज्य के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बाढ़ को पांच दशकों में सबसे भीषण बताया। उन्होंने कहा कि पंजाब और पड़ोसी पहाड़ी राज्यों में लगातार हुई बारिश ने व्यापक तबाही मचाई है, जिससे सभी जिलों के लगभग 2,000 गांव प्रभावित हुए हैं। ताजा बुलेटिन के अनुसार, 3.87 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और 46 मौतों की पुष्टि हुई है। एक अगस्त से पांच सितंबर के बीच 14 जिलों से 43 मौतें दर्ज की गई थीं। कुल 23 जिलों के 1,996 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। सबसे अधिक सात-सात मौतें होशियारपुर और अमृतसर से हुईं। इसके बाद पठानकोट में छह, बरनाला में पांच, लुधियाना और बठिंडा में चार-चार, मानसा में तीन, गुरदासपुर, रूपनगर और एसएएस नगर में दो-दो और पटियाला, संगरूर, फाजिल्का और फिरोजपुर से एक-एक मौत दर्ज की गई। पठानकोट में तीन लोग लापता हैं। इसी बीच, फिरोजपुर जिले के तल्ली गुलाम गांव का 50 वर्षीय व्यक्ति उफनती नदी की तेज धारा में बह गया और उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से जिले में पानी का स्तर खतरनाक स्तर पर है और लगातार बाढ़ से गांवों में रहने वालों का जीवन कठिन हो गया है। बाढ़ से संबंधित यह आंकड़े एक अगस्त से छह सितंबर तक की अवधि के हैं। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 22,854 लोगों को प्रभावित इलाकों से निकाला जा चुका है। चीमा ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि क्षेत्र को 18 जिलों में भारी नुकसान हुआ है। इसके अलावा, बुनियादी ढांचे, मकानों और पशुधन को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि घग्गर नदी का जलस्तर भी 750 फुट के खतरे के निशान को पार कर गया है। उन्होंने कहा कि राज्य की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने इस अभूतपूर्व बाढ़ पर तुरंत कार्रवाई करते हुए संवेदनशील रवैया अपनाया है।

मंत्री ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से जवाबदेही और समर्थन की आवश्यकता पर बल दिया तथा कहा कि इस संकट के लिए राजनीतिक अवसरवाद के बजाय सहयोगात्मक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। चीमा ने कहा कि तबाही के बावजूद पंजाब सरकार ने तेज और समन्वित तरीके से कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि राज्यभर में लगभग 200 राहत शिविर लगाए गए हैं, जहां 7,000 से अधिक विस्थापित लोगों को शरण दी गई है। एनडीआरएफ की 24 और एसडीआरएफ की दो टीमें, 144 नौकाओं की मदद से राहत और बचाव अभियान चला रही हैं।

ऑस्ट्रेलिया में रिश्तेदारों को जहरीला मशरूम खिलाकर मारने की दोषी महिला को आजीवन कारावास

एजेंसी नई दिल्ली

अदालत ने माना कि पैटरसन का इरादा अपने पति को भी मारने का था लेकिन वह भोज में शामिल नहीं हुआ। पैटरसन ने अपने रिश्तेदारों को इस झूठे बहाने से भोज पर आमंत्रित किया कि उसे कैंसर हो गया है। ऑस्ट्रेलिया की एक अदालत ने सोमवार को तिहरे हत्याकांड के एक मामले में एरिन पैटरसन को उससे अलग रह रहे पति के तीन रिश्तेदारों को जहरीले मशरूम खिलाकर जान से मारने के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा सुनायी, जिसमें कम से कम 33 साल तक पैरोल की कोई संभावना नहीं होगी। न्यायाधीश क्रिस्टोफर बील ने विक्टोरिया राज्य के उच्चतम न्यायालय में कहा कि पैटरसन ने ''विश्वासघात'' किया था। पैटरसन को जुलाई में डॉन और गेल पैटरसन तथा गेल की बहन हीदर विल्किंसन की हत्या और हीदर के पति इयान विल्किंसन की हत्या का प्रयास करने का दोषी ठहराया गया था। यह घटना जुलाई 2023 की है जब पैटरसन ने अपने घर पर भोज में जहरीले मशरूम

मिलाकर भोजन परोसा था। इस भोज में उसके ससुराल के लोग शामिल हुए थे लेकिन उसका पति साइमन पैटरसन शामिल नहीं हुआ था। न्यायाधीश बील ने कहा, ''आपके (पैटरसन) शिकार आपके रिश्तेदार थे, जिन्होंने वर्षों तक आपको और आपके बच्चों को सहारा दिया था। आपने न केवल तीन लोगों की जान ली, बल्कि इयान विल्किंसन के स्वास्थ्य को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया और अपने ही बच्चों को उनके दादा-दादी के प्यार से वंचित कर दिया।'' अभियोजन और बचाव पक्ष दोनों ने सहमति जताई थी कि आजीवन कारावास ही उचित दंड है। हालांकि, बचाव पक्ष चाहता था कि पैटरसन को 30 साल बाद पैरोल का अवसर मिले, जबकि अभियोजन ने कहा कि उसे कभी भी अदालत की दया नहीं मिलनी चाहिए। अदालत ने माना कि पैटरसन का इरादा अपने पति को भी मारने का था लेकिन वह भोज में शामिल नहीं हुआ। पैटरसन ने अपने रिश्तेदारों को इस झूठे बहाने से भोज पर आमंत्रित किया कि उसे कैंसर हो गया है। हालांकि, पैटरसन अब भी दावा करती है कि उसने मशरूम गलती से इस्तेमाल किए।

इजराइल ने फलस्तीनी कैदियों को भूखा रखा : उच्चतम न्यायालय

एजेंसी नई दिल्ली

दो मानवाधिकार संगठनों ने इसे इज़राइली सरकार की एक सुनियोजित नीति बताया। फलस्तीनी अधिकारियों के अनुसार, युद्ध शुरू होने के बाद से कम से कम 61 फलस्तीनी लोगों की इजराइल की कैद में रहने के दौरान मौत हो चुकी है। इजराइल के उच्चतम न्यायालय ने रविवार को कहा कि इजराइली सरकार ने फलस्तीनी कैदियों को ठीक से भोजन तक नहीं दिया, और सरकार को आदेश दिया कि वह इन कैदियों को पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराए।

यह फैसला 'एसोसिएशन फॉर सिविल राइट्स इन इजराइल' और 'गीशा' नामक मानवाधिकार संस्था द्वारा पिछले वर्ष दायर याचिका पर सुनाया गया। ऐसा बहुत कम देखने को मिला है कि 23 महीने से जारी इजराइल-हमास युद्ध के दौरान उच्चतम न्यायालय ने सरकार के फैसलों पर इस तरह से सवाल उठाया हो। उच्चतम न्यायालय के तीन न्यायाधीशों की पीठ ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाते हुए कहा कि इजराइली सरकार की यह कानूनी जिम्मेदारी है कि वह फलस्तीनी कैदियों को ''बुनियादी जीवन स्तर'' सुनिश्चित करने के लिए दिन में तीन बार भोजन उपलब्ध कराए। अदालत ने प्राधिकारियों को यह दायित्व निभाने का आदेश दिया। अदालत ने माना कि सरकार ने जानबूझकर जेलों में फलस्तीनी कैदियों को पर्याप्त भोजन नहीं दिया, जिससे इजराइल-हमास युद्ध के दौरान उन्हें कुपोषण और भुखमरी का सामना करना पड़ा।

फैसले में कहा गया, ''हम यहां आरामदायक जिंदगी या किसी तरह की सुविधा की बात नहीं कर रहे, बल्कि बस उतनी जरूरी चीजों की बात कर रहे हैं जो जिंदा रहने के लिए कानून के मुताबिक जरूरी हैं। हमें अपने सबसे बुरे दुश्मनों के साथ भी ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए।'' इजराइली सेना ने गाजा और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बड़ी संख्या में फलस्तीनियों को आतंकवादी संबंधों के संदेह में गिरफ्तार किया है। इनमें से हजारों लोगों को महीनों तक बिना किसी आरोप के शिविरों व जेलों में रखा गया और बाद में रिहा कर दिया गया।

इन लोगों ने बताया कि हिरासत के दौरान हालात बेहद खराब थे - जगह बहुत छोटी थी, पर्याप्त भोजन नहीं मिलता था, इलाज भी ठीक से नहीं होता था, और खाज-खुजली जैसी बीमारियां फैली हुई थीं। दो मानवाधिकार संगठनों ने इसे इज़राइली सरकार की एक सुनियोजित नीति बताया। फलस्तीनी अधिकारियों के अनुसार, युद्ध शुरू होने के बाद से कम से कम 61 फलस्तीनी लोगों की इजराइल की कैद में रहने के दौरान मौत हो चुकी है। मार्च में, इजराइल की जेल में एक 17 वर्षीय फलस्तीनी लड़के की मौत हो गई थी, जिसके बाद चिकित्सकों ने कहा था कि मौत का मुख्य कारण भुखमरी हो सकती है।

पुतिन को बातचीत के लिए झुकना पड़ेगा ? अमेरिका बोला- रूसी तेल पर लगेंगे और भी प्रतिबंध, अर्थव्यवस्था ध्वस्त होगी

एजेंसी नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि वह रूस पर ''दूसरे चरण'' के प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं। ट्रंप से 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के बाहर पूछा गया था कि क्या वह रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं, इसके जवाब में उन्होंने कहा, ''हां, मैं तैयार हूं।'' ट्रंप की यह टिप्पणी अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के उस बयान के तुरंत बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर अमेरिका और यूरोपीय संघ रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर और अधिक प्रतिबंध लगाते हैं तो रूसी अर्थव्यवस्था ''ध्वस्त'' हो जाएगी। एनबीसी न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में, बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ एक बेहद उपयोगी बातचीत की, जिन्होंने बाद में शुक्रवार को उनसे बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि रूस पर और दबाव बनाने के लिए अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) क्या कर सकते हैं। बेसेंट ने कहा, "अगर अमेरिका और यूरोपीय संघ आगे आकर रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर और प्रतिबंध लगा सकते हैं, अतिरिक्त टैरिफ लगा सकते हैं, तो रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी, और इसके लिए राष्ट्रपति पुतिन को बातचीत की मेज पर लाना होगा।" वित्त मंत्री ने आगे कहा कि अमेरिका रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए तैयार है, "लेकिन हमें अपने यूरोपीय सहयोगियों को भी साथ लाने की ज़रूरत है।" बेसेंट ने कहा, "हम अब इस दौड़ में हैं कि यूक्रेनी सेना कितने समय तक टिक सकती है और रूसी अर्थव्यवस्था कितने समय तक टिक सकती है।" गौरतलब है कि ट्रंप प्रशासन ने घोषित 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ के अलावा भारत पर रूसी तेल की खरीद के लिए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इससे पहले, 27 अगस्त से नई दिल्ली पर लगाए गए कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गए थे। इससे पहले, ट्रंप ने रूस से "इतना" तेल खरीदने के भारत के फैसले पर अपनी "गहरी निराशा" व्यक्त की थी। "हमने भारत पर बहुत बड़ा टैरिफ लगाया है, 50 प्रतिशत टैरिफ, बहुत ऊँचा टैरिफ। मेरे (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं, वह बहुत अच्छे हैं।" ट्रंप ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में कहा था, "वह कुछ महीने पहले यहाँ आए थे।" राष्ट्रपति इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या वह भारत के साथ संबंधों को नए सिरे से स्थापित करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि द्विपक्षीय संबंध उस दौर से गुज़र रहे हैं जिसे कई पर्यवेक्षक दो दशकों से भी ज़्यादा समय में अपने सबसे तनावपूर्ण दौर के रूप में वर्णित कर रहे हैं।बेसेंट और व्यापार सलाहकार पीटर नवारो सहित ट्रंप प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने तर्क दिया है कि भारत द्वारा रूसी तेल की निरंतर खरीद अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन में मास्को के युद्ध प्रयासों को वित्तपोषित कर रही है। इस बीच, नई दिल्ली ने अमेरिकी टैरिफ की तीखी आलोचना की है और उन्हें "अनुचित और अनुचित" बताया है। रूसी कच्चा तेल खरीदने के अपने फैसले का बचाव करते हुए, भारत ने लगातार यह कहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद नीति राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से निर्देशित होती है।

कीव में सरकारी इमारत पहली बार बनी निशाना, रूस का सबसे बड़ा ड्रोन हमला, दो की मौत और 15 घायल

एजेंसी नई दिल्ली

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शनिवार को बड़ी संख्या में ड्रोन और मिसाइल दागीं, जिससे कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। यूक्रेनी अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शनिवार को बड़ी संख्या में ड्रोन और मिसाइल दागीं, जिससे कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। यूक्रेनी अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इसे फरवरी 2022 में दोनों देशों के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन पर रूस का सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। रविवार को हुए इस हमले के बाद एक प्रमुख सरकारी इमारत की छत से धुआं उठता दिखाई दिया।

अधिकारियों ने बताया कि रूस ने यूक्रेन पर 805 ड्रोन से हमला किया। यूक्रेन की वायु सेना के प्रवक्ता यूरी इहनात ने पुष्टि की कि रविवार का हमला यूक्रेन पर पूर्ण आक्रमण शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा रूसी ड्रोन हमला था। रूस ने विभिन्न प्रकार की 13 मिसाइल भी दागीं। वायु सेना के एक बयान के अनुसार, यूक्रेन ने 747 रूसी ड्रोन और चार मिसाइलों को मार गिराया या निष्क्रिय कर दिया। यूक्रेन में 37 जगहों पर नौ मिसाइल हमले और 56 ड्रोन हमले हुए। मार गिराए गए ड्रोन और मिसाइलों का मलबा आठ जगहों पर गिरा। 'एसोसिएटेड प्रेस' के पत्रकारों ने एक सरकारी इमारत की छत से धुएं का गुबार उठता देखा, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो सका कि यह धुआं हमले के कारण उठा या अन्य कोई कारण है। माना जा रहा है कि अगर धुआं किसी हमले के कारण उठा, तो रूस ने हवाई हमले तेज किए हैं। रूस अब तक शहर के केंद्र में सरकारी इमारतों को निशाना बनाने से बचता रहा है। यह इमारत यूक्रेन के मंत्रिमंडल का मुख्यालय है, जहां उसके मंत्रियों के कार्यालय स्थित हैं। दमकल गाड़ियों और एम्बुलेंस के पहुंचने पर पुलिस ने इमारत में प्रवेश रोक दिया। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि हमले में दो लोग मारे गए और 15 घायल हुए। यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने कहा, ''पहली बार दुश्मन के हमले में सरकारी इमारत को नुकसान पहुंचा है। हम इमारतों का जीर्णोद्धार करेंगे, लेकिन जो जानें चली गईं, उन्हें वापस नहीं लाया जा सकता।''कीव के मेयर विटालि क्लिट्स्को के मुताबिक, रूसी ड्रोन का मलबा स्वियातोशिन्स्की में नौ मंजिला आवासीय इमारत और डार्नित्स्की में चार मंजिला आवासीय इमारत पर गिरा। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब यूरोपीय नेताओं ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्ध समाप्त करने की दिशा में कदम उठाने का दबाव बढ़ा दिया है। इससे पहले, यूक्रेन के 26 सहयोगी देशों ने युद्ध समाप्त होने के बाद वहां 'आश्वासन बल' के रूप में सेना तैनात करने का वादा किया था।

दोनों सेमीफाइनल हुए ड्रॉ, फाइनल में भिड़ेंगी ये दो टीमें

एजेंसी नई दिल्ली

रविवार को दलीप ट्रॉफी के दोनों सेमीफाइनल मुकाबले ड्रॉ हो गए। दरअसल, गुरजपनीत सिंह और एमडी निधीष के बाद नारायण जगदीशन के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर साउथ जोन ने बड़ी बढ़त के साथ नॉर्थ जोन के खिलाफ फाइनल में जगह बना ली है। उसके 6 बल्लेबाजों ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। इसमें शुभम शर्मा (96), दानिश मालेवर (76), कप्तान रजत पाटीदार (77), उपेंद्र यादव (87), हर्ष दुबे (75) और सारांश जैन (63) शामिल हैं। मोहम्मद अजहरुद्दीन की कप्तानी वाली साउथ जोन की 11 सितंबर से रजत पाटीदार की अगुवाई वाली सेंट्रल जोन से खिताबी भिड़ंत होगी।

सेमीफाइनल के चौथे दिन नॉर्थ जोन ने कल के पांच विकेट पर 278 रनों से आगे खेलना शुरू किया। सुबह के सत्र में वासुकी कौशिक ने शतकवीर शुभम खजुरिया को बोल्ड कर नॉर्थ जोन को छठा झटका दिया। इसके बाद एमडी निधीष ने साहिल लूथरा और मयंक डागर को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। युद्धवीर सिंह चरक को तनय त्यागराजन ने अपना शिकार बनाया। गुरजपनीत सिंह ने आकिब नबी (10) को आउटकर 100.1 ओवर में 361 के स्कोर पर नॉर्थ जोन की पारी का अंत कर दिया।

वहीं दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने 34 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज तन्मय अग्रवाल का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए देवदत्त पडिक्कल ने नारायण जगदीशन के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 61 रनों की अविजित साझेदारी हुई। इस दौरान जगदीशन ने अपना अर्धशतक पूरा किया। साउथ जोन द्वारा 24.1 ओवर में एक विकेट पर 95 का स्कोर बनाए जाने के बाद दोनों टीमों में ड्रॉ पर सहमति बनी। जगदीशन ने 69 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 52 रनों की नाबाद पारी खेली। देवदत्त पडिक्कल 15 रन बनाकर नाबाद लौटे।

भारत ने रचा इतिहास, चौथी बार जीता हॉकी एशिया कप का खिताब, फाइनल में कोरिया को 4-1 से हराया

एजेंसी नई दिल्ली

हॉकी एशिया कप 2025 के फाइनल मैच में भारतीय हॉकी टीम ने जीत कर इतिहास रच दिया है। इस दौरान भारतीय टीम कोरिया को 4-1 से हराकर चौथी बार एशिया कप की चैंपियन बनी है। साथ ही हरमनप्रीत सिंह की सेना ने वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई भी कर लिया है। बिहार के राजगीर में खेले गए हॉकी एशिया कप 2025 के फाइनल मैच में भारतीय हॉकी टीम ने जीत कर इतिहास रच दिया है। इस दौरान भारतीय टीम कोरिया को 4-1 से हराकर चौथी बार एशिया कप की चैंपियन बनी है। साथ ही हरमनप्रीत सिंह की सेना ने वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई भी कर लिया है। भारत की तरफ से दिलप्रीत ने सबसे ज्यादा दो गोल किए। उनके अलावा सुखजीत सिंह और अमित रोहिदास ने 1-1 गोल करने में सफलता हासिल

की। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया। वहीं मुकाबले की बात करें तो, भारत की शुरुआत बेहतरीन रही। भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले ही मिनट में गोल किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बेहतरीन पास पर डी के अंदर मौजूद सुखजीत सिंह ने टॉमहॉक लगाते हुए गोल दागा। इस मैच के 8वें मिनट पर भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिस पर जुगराज गोल नहीं कर सके। इसके बाद दूसे क्वार्टर की समाप्ति से लगभग 2 मिनट पहले ही दिलप्रीत ने मैदानी गोल करके बढ़त को दोगुना किया। वहीं तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को पेनाल्टी कॉर्नर मिले, जिस पर कोई भी गोल नहीं हो सका। भारत की ओर से हो रहे लगातार आक्रामक प्रयासों के बीच दिलप्रीत ने अपना दूसरा और भारत के लिए तीसरा गोल किया। चौथे क्वार्टर में कोरिया से सोन डेन ने पेनाल्टी कॉर्नर पर मिले मौके पर गोल किया। मैच के आखिरी मिनटों के दौरान कोरियाई खिलाड़ियों ने तेजी से कुछ प्रयास किए, लेकिन वे इसमें नाकामयाब रहे।

एशिया कप की सभी टीमों का स्क्वॉड, शेड्यूल और मैच टाइमिंग समेत मिलेगी फुल जानकारी

एजेंसी नई दिल्ली

एशिया कप 2025 का आगाज होने में अब बस कुछ ही घंटे बाकी हैं। इस बार का एशिया कप कई मायनों में खास है। सबसे दिलचस्प बात ये है कि 2025 एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा और इसमें कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी। इन सभी आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होगी। वहीं इसका फाइनल 28 सितंबर को खेल जाएगा। टूर्नामेंट के सभी मैच अबूधाबी और दुबई में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में सिर्फ एक डबल हेडर है। बाकी सभी मैच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से शुरू होंगे। डबल हेडर वाले दिन शाम का मैच भारतीय समय के अनुसार साढ़े पांच बजे से शुरू होगा। 2025 एशिया कप में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीकांत, अफगानिस्तान, यूएई, हांगकांग और ओमान की टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट में सभी टीमें स्टेज में 3-3 मैच खेलेंगी। इसके बाद सुपर-4 राउंड खेला जाएगा। वहीं फिर 28 सितंबर को खिताबी भिड़ंत होगी। सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुबमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रित बुमरा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह

सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी, सुफियान मोकिम। चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, वानिंदु हसरंगा, दुनिथ वेललागे, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, दुशमंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना। लिट्टन दास (कप्तान, विकेटकीपर), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदोय, जेकर अली अनिक, शमीम हुसैन, नुरुल हसन सोहन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद, शोरफुल इस्लाम, शैफ उद्दीन।

व्यापार

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण 1.06 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

एजेंसी नई दिल्ली

भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 4,134.02 करोड़ रुपये बढ़कर 10,81,347.25 करोड़ रुपये हो गई। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 3,426.46 करोड़ रुपये बढ़कर 10,01,717.42 करोड़ रुपये हो गया। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,06,250.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 901.11 अंक या 1.12 प्रतिशत चढ़ गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 314.15 अंक या 1.28 प्रतिशत के लाभ में रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस और एलआईसी के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई।

वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत घट गई। सप्ताह के दौरान बजाज

फाइनेंस का मूल्यांकन 37,960.96 करोड़ रुपये बढ़कर 5,83,451.27 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 23,343.51 करोड़ रुपये बढ़कर 18,59,767.71 करोड़ रुपये हो गई।

एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 17,580.42 करोड़ रुपये के उछाल के साथ14,78,444.32 करोड़ रुपये रहा।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 15,559.49 करोड़ रुपये बढ़कर 5,54,607.42 करोड़ रुपये हो गया।

भारतीय स्टेट बैंक के मूल्यांकन में 4,246.09 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 7,44,864.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 4,134.02 करोड़ रुपये बढ़कर 10,81,347.25 करोड़ रुपये हो गई। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 3,426.46 करोड़ रुपये बढ़कर 10,01,717.42 करोड़ रुपये हो गया।

इस रुख के उलट टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार मूल्यांकन 13,007.02 करोड़ रुपये घटकर 11,02,955.89 करोड़ रुपये पर आ गया।

इन्फोसिस की बाजार हैसियत 10,427.47 करोड़ रुपये घटकर 6,00,036.47 करोड़ रुपये रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 6,296.91 करोड़ रुपये घटकर 6,18,694.37 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी का स्थान रहा।

फिजिक्सवाला ने सेबी के पास अद्यतन आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए, 3,820 करोड़ रुपये जुटाने का इरादा

एजेंसी नई दिल्ली

200.1 करोड़ रुपये सर्वर और क्लाउड ढांचे के लिए, 710 करोड़ रुपये विपणन पहल के लिए और 26.5 करोड़ रुपये उत्कर्ष क्लासेस में अतिरिक्त हिस्सेदारी हासिल करने के लिए निर्धारित किए गए हैं। शिक्षा प्रौद्योगिकी यूनिकॉर्न फिजिक्सवाला ने विस्तार और विकास पहल के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 3,820 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास अद्यतन दस्तावेज दाखिल किए हैं। शनिवार को दाखिल अद्यतन दस्तावेजों के मसौदे (यूडीआरएचपी) के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 3,100 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर जारी किए जाएंगे और प्रवर्तकों द्वारा कुल 720 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। दोनों प्रवर्तक अलख पांडेय और प्रतीक बूब, ओएफएस के जरिये 360-360 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचेंगे।

वर्तमान में, दोनों के पास कंपनी की 40.35-40.35 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

नोएडा स्थित फिजिक्सवाला ने गोपनीय मार्ग के जरिये मार्च में आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे और जुलाई में बाजार नियामक की मंजूरी प्राप्त की थी। इसके बाद, कंपनियों को आरएचपी दाखिल करने से पहले एक अद्यतन डीआरएचपी दाखिल करना आवश्यक है। फिजिक्सवाला ने कहा कि नए शेयरों से प्राप्त राशि में से 460.5 करोड़ रुपये नए ऑफलाइन और हाइब्रिड केंद्रों की स्थापना पर खर्च किए जाएंगे, और 548.3 करोड़ रुपये मौजूदा केंद्रों के पट्टे के भुगतान के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। कंपनी अपनी अनुषंगी कंपनी ज्ञाइलम लर्निंग में 47.2 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिसमें नए केंद्रों के लिए 31.6 करोड़ रुपये और पट्टे के भुगतान और छात्रावासों के लिए 15.5 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके अलावा 33.7 करोड़ रुपये उत्कर्ष क्लासेस एंड एडुटेक को उसके केंद्रों के पट्टे के भुगतान के लिए दिए जाएंगे।

200.1 करोड़ रुपये सर्वर और क्लाउड ढांचे के लिए, 710 करोड़ रुपये विपणन पहल के लिए और 26.5 करोड़ रुपये उत्कर्ष क्लासेस में अतिरिक्त हिस्सेदारी हासिल करने के लिए निर्धारित किए गए हैं। फिजिक्सवाला जेईई, नीट, गेट और यूपीएससी पर केंद्रित प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए परीक्षा तैयारी पाठ्यक्रम प्रदान करती है। साथ ही यह ऑनलाइन मंच (यूट्यूब, वेबसाइट और ऐप), तकनीक-सक्षम ऑफलाइन केंद्रों और हाइब्रिड केंद्रों के माध्यम से कौशल विकास कार्यक्रम भी प्रदान करती है, जो ऑनलाइन शिक्षण को व्यक्तिगत सहायता के साथ जोड़ते हैं।

एयर इंडिया समूह के संचालन के पैमाने और आकार को देखते हुए घटना दर पूरी तरह से सामान्य : विल्सन

एजेंसी नई दिल्ली

यह पारदर्शिता समय के साथ, विश्वास बनाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा, ''शुरुआत में जब हम हर छोटी-बड़ी घटना की जानकारी खुले तौर पर देते हैं, तो जाहिर है कि खबरों में हमारा जिक्र बढ़ जाता है। हाल ही में हुई एयर इंडिया के कुछ विमानों से जुड़ी घटनाओं के बीच एयरलाइन के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने कहा है कि एयर इंडिया समूह के बड़े आकार को देखते हुए ऐसी घटनाओं का होना पूरी तरह से सामान्य है। विमानन कंपनी अपनी केबिन क्रू को उड़ानों के दौरान सेवा में कमी की भरपाई के लिए यात्रियों को ई-वाउचर देने की अनुमति देने की योजना बना रही है। यह योजना यात्रियों द्वारा सेवा संबंधी समस्याओं, तथा कुछ विमानों में तकनीकी खराबी के कारण उड़ानों के रद्द होने और देरी की शिकायत की पृष्ठभूमि में बनाई गई है।

विल्सन ने कहा कि सभी एयरलाइन कंपनियों की तरह, इसे भी विभिन्न प्रकार की परिचालन स्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें से कुछ इसके नियंत्रण में हैं और कुछ नहीं। उन्होंने पांच सितंबर को कर्मचारियों को एक संदेश में कहा, ''जब हम पर ध्यान केंद्रित होता है, तो समय पर, स्पष्ट और सटीक जानकारी और सही संदर्भ प्रदान करना महत्वपूर्ण है। इसलिए, हाल के हफ्तों में, हम घटनाओं और घटनाओं की रिपोर्ट करने में सामान्य से भी अधिक पारदर्शी रहे हैं, चाहे वे कितनी भी छोटी क्यों न हों।'' उनके अनुसार, यह पारदर्शिता समय के साथ, विश्वास बनाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा, ''शुरुआत में जब हम हर छोटी-बड़ी घटना की जानकारी खुले तौर पर देते हैं, तो जाहिर है कि खबरों में हमारा जिक्र बढ़ जाता है। एयर इंडिया समूह हर दिन 1,200 से ज्यादा उड़ानें संचालित करता है, लगभग हर मिनट एक उड़ान। ऐसे में यह सब कुछ ज्यादा लग सकता है। लेकिन हमारे काम के पैमाने और आकार को देखते हुए, ये घटनाएं सामान्य हैं।''

गया में भगवान विष्णु पितृदेव रूप में देते हैं मोक्ष, पिंडदान से 7 पीढ़ियों का होता है उद्धार

भारत में पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध कर्म के लिए कई जगहें हैं, लेकिन फाल्गु नदी के तट पर स्थित गया शहर का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि सर्वपितृ अमावस्या के दिन गया में पिंडदान करने से 108 कुल और 7 पीढ़ियों का उद्धार हो जाता है। वहीं यहां पर श्राद्ध कर्म करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए गया को मोक्ष स्थली भी कहा जाता है। पुराणों में बताया गया है कि प्राचीन शहर गया में स्वयं भगवान विष्णु पितृदेव के रूप में निवास करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गया में पिंडदान के महत्व के बारे में बताने जा रहे हैं। देशभर में पिंडदान और श्राद्धकर्म के लिए 55 स्थानों को अहम माना गया है। लेकिन इन 55 स्थानों में बिहार के गया को सर्वोपरि माना गया है। बिहार के गया में तर्पण विधि, पिंडदान और श्राद्ध कर्म करने के बाद कुछ शेष नहीं रह जाता है। यहां पर श्राद्धकर्म और पिंडदान करने से व्यक्ति पितृऋण से मुक्त हो जाता है। बता दें कि गया में फाल्गु नदी के तट पर भगवान श्रीराम ने माता सीता के साथ राजा दशरथ की आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए यहां पर पिंडदान और श्राद्धकर्म किया था। वहीं महाभारत काल में पांडवों में भी इसी स्थान पर श्राद्धकर्म और पिंडदान किया था।

पुराणों में भी मिलता है जिक्र-

गरुड़ पुराण, वायु पुराण और विष्णु पुराण में भी गया शहर का उल्लेख और महत्व मिलता है। इस तीर्थ स्थान पर पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी कारण से गया को मोक्ष की भूमि यानी की मोक्ष स्थली भी कहा जाता है। हर साल गया शहर में पितृपक्ष के दौरान मेला लगता है, जिसको पितृपक्ष मेला भी कहा जाता है। यह शहर हिंदुओं के साथ बौद्ध धर्म के लिए भी पवित्र स्थल माना जाता है। बोधगया को भगवान बुद्ध की भूमि भी कहा जाता है। बौद्ध धर्म के अनुयायियों ने यहां पर अपनी शैली में यहां कई मंदिरों का निर्माण करवाया है।

पौराणिक कथा-

बता दें कि गयासुर नामक असुर ने श्रीमद्भागवत के फलस्वरूप श्रीहरि से वरदान मांगा। उसने मांगा कि उसका शरीर पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन करके पाप मुक्त हो जाएं। इस वरदान के बाद से लोगों में भय खत्म हो गया और पाप करने लगे। पाप करने के बाद लोग गयासुर के दर्शन करते और पाप मुक्त हो जाते थे। ऐसा होने से स्वर्ग और नरक का संतुलन बिगड़ने लगा। इस तरह से बड़े से बड़ा पापी भी स्वर्ग पहुंचने लगा।

गया में विराजमान हैं भगवान विष्णु-

इन सबसे बचने के लिए देवतागण गयासुर के पास गए और यज्ञ करने के लिए पवित्र स्थान की मांग की। तब देवताओं को यज्ञ के लिए गयासुर ने अपना शरीर ही दे दिया और कहा कि मेरे ऊपर यज्ञ करें। जब गयासुर लेट गया तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यह पांच कोस आगे जाकर गया बन गया। गयासुर के पुण्य प्रभाव से यह स्थान तीर्थ के रूप में जाना गया। यहां पर पहले विविध नामों से 360 वेदियां थीं, लेकिन अब सिर्फ 48 वेदियां बची हैं। गया में भगवान श्रीहरि विष्णु गदाधर के रूप में विराजमान हैं। गयासुर के विशुद्ध शरीर में ब्रह्मा, विष्णु, शिव और प्रपितामह निवास करते हैं। इसलिए इस स्थान को पिंडदान और श्राद्धकर्म के लिए उत्तम माना जाता है।

दिल्ली-एनसीआर के साथ जयपुर, कोलकाता, गुवाहाटी, चेन्नई में भी दिख रहा `ब्लड मून' का नजारा

साल का अंतिम चंद्रग्रहण रविवार रात के 9 बजकर 57 मिनट से शुरू हो चुका है। इस बार के चंद्रग्रहण को बहुत प्रभावशाली माना जा रहा है क्योंकि यह भारत में पूर्ण रूप से दिखाई देगा और लाल रंग का होगा। यही कारण है कि इसे 'ब्लड मून' भी कहा जा रहा है। आइए देखते हैं लंबे समय तक दृश्य रहने वाले चंद्र ग्रहण की...

चंद्रग्रहण शुरू हो चुका है और रात 9 बजकर 57 मिनट से चंद्रमा का पथ मलिन होने लगा है और अब चंद्रमा पर पृथ्वी की छा भी दिखने वाली है यानी चंद्रमा का ग्रास होने वाला है। तो देखिए चंद्रग्रहण पर पल पल अपडेट सूतक से लेकर मोक्ष तक चंद्रग्रहण।

चंद्रग्रहण आज रात 7 सिंतबर को लगने जा रहा है। यह चंद्रग्रहण भारत के सभी शहरों में दृश्य होगा। चंद्रग्रहण को ज्योतिषशास्त्री से लेकर खगोलशास्त्री तक बड़ा और महत्वपूर्ण मान रहे हैं क्योंकि यह चंद्रग्रहण काफी लंबे समय तक दृश्य होगा।

चंद्रग्रहण अब समाप्त हो गया है रात 1 बजकर 26 मिनट पर।

चंद्रग्रहण के समाप्त होने पर आपको स्नान करके सबसे पहले सूतक से मुक्त होना चाहिए। इसके अलावा और क्या-क्या करना चाहिए सब कुछ जानिए विस्तार से, चंद्रग्रहण के बाद क्या करें।

आज चंद्रग्रहण का खग्रास समाप्त हो गया है। चंद्रमा अब धीरे-धीरे मोक्ष की ओर बढ रहे हैं और अब रात के 1 बजकर 26 मिनट पर पूर्ण रूप से चंद्रमा ग्रहण से मुक्त हो जाएंगे। इसके बाद से चंद्र ग्रहण के बाद के कार्य किए जा सकेंगे। जैसे स्नान, पूजा, दान आदि। सुबह चंद्रग्रहण का दान अपनी राशि के अनुसार करेंगे तो यह आपके लिए उत्तम रहेगा।

चंद्रग्रहण अब अपने रूप में है, यानी चंद्रग्रहण का मध्य हो चुका है। चंद्रमा पर पृथ्वी की पूरी छाया पड़ चुकी है। यही है ग्रहण के दौरान परमग्रास जब चंद्रमा पर पृथ्वी सूर्य की रोशनी को आने से पूरी तरह से रोक लेती है। 11 बजकर 42 मिनट पर परमग्रास हुआ है। और अब 12 बजकर 23 मिनट पर खग्रास समाप्त होगा। और 1 बजकर 26 मिनट पर ग्रहण पूरी तरह से हो जाएगा समाप्त।

आज साल का अंतिम चंद्रग्रहण रात के 9 बजकर 57 मिनट से शुरू हो चुका है। इस बार के चंद्रग्रहण को बहुत प्रभावशाली माना जा रहा है क्योंकि यह भारत में पूर्ण रूप से दिखाई देगा और लाल रंग का होगा। यही कारण है कि इसे ब्लड मून भी कहा जा रहा है। आइए देखते लंबे समय तक दृश्य रहने वाले चंद्र ग्रहण की LIVE PHOTOS

चंद्रग्रहण के दौरान जब खग्रास लगता है तब सही मायने में चंद्रग्रहण शुरू होता है क्योंकि चंद्रमा का भाग काला दिखने लगता है। अब चंद्रमा का भाग कटना शुरू हो चुका है और लगभग 41 मिनट पर पूर्ण चंद्रग्रहण लग जाएगा। यानी चंद्र ढक जाएगा।

आज का राशिफल : सोमवार को शनि शशि योग में इन राशियों को व्यापार में मिलेगा दोगुना लाभ, बढ़ेगी आमदनी

मेष : बिजनेस के क्षेत्र में आपकी कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा और समाज में विशेष मान-सम्मान प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिलेंगे और व्यापार में निवेशों से लाभ प्राप्त हो सकता है। भौतिक विकास होने के योग हैं और आर्थिक मामले में दिन अनुकूल रहने वाला है। वहीं, परिवार के साथ भी आप अच्छा समय बिताएंगे।

वृषभः व्यापार के मामले में आप नई योजनाएं बनाने पर ध्यान दे सकते हैं। अगर लंबे समय से किसी कानूनी विवाद में फंसे थे तो अब वहां भी सफलता प्राप्त हो सकती है। कार्यस्थल पर आपको दिन में कुछ उलझनों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन स्थिति जल्दी सामान्य हो जाएगी और पराक्रम में वृद्धि होगी। कार्यालय का वातावरण भी खुशनुमा बना रहेगा।

मिथुनः आप किसी रचनात्मक कार्य को पूरा करने में ज्यादा समय व्यतीत कर सकते हैं। कार्यस्थल पर आपको वही कार्य सौंपे जाएंगे जिनमें आपकी अधिक रुचि रहेगी। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा और जोश से भरपूर रहेंगे। कामकाज को लेकर आपके दिमाग में नई योजनाएं भी आ सकती हैं। इसमें सीनियर का सहयोग मिलने की भी संभावना है और सहकर्मी भी आपके साथ रहेंगे।

कर्क : कार्यक्षेत्र में आप जो भी काम पूरी मेहनत, लगन और प्रयास के साथ करेंगे उसमें सफलता जरूर हासिल होगी। सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने के कारण आपका मन प्रसन्न रहेगा। अगर कुछ काम अधूरे पड़े थे तो वह भी अब पूरे हो सकते हैं और कामकाज के सिलसिले में मीटिंग की जा सकती है। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहेगा और सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा।

सिंह : कार्यस्थल पर कामकाज के सिलसिले में आप ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। व्यापार के क्षेत्र में नई योजनाएं बनाई जा सकती हैं और कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण काम समय पर पूरे करने होंगे। लेकिन कोई वरिष्ठ अधिकारी या विरोधी आपके कार्यों में बाधा डालने की कोशिश कर सकता है। ऐसे में सावधान रहना जरूरी होगा और कोई भी काम सोच-समझकर करें।

कन्या : आपका दिन सामान्य से कम अच्छा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में संयम बरतना जरूरी होगा और किसी भी अनावश्यक बहस से दूरी बनाए रखें। व्यापार के मामले में आपको आत्मविश्वास के साथ कोई भी कार्य करना होगा, इससे बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं और धीरे-धीरे स्थिति सुधरती जाएगी। परिवार में किसी शुभ कार्य की चर्चा हो सकती है।

तुला : कारोबार के मामले में यह दिन आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा। अगर लंबे समय से कार्यक्षेत्र में कोई विवाद या समस्या चल रही थी तो अब वह दूर हो सकती है। इसी के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार में नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो सकता है और नौकरी करने वालों के लिए भी यह दिन अनुकूल रहेगा। लेकिन संपत्ति के मामले में आपको सतर्क रहना होगा।

वृश्चिक : दिन उत्तम रहने वाला है और कार्यक्षेत्र में आपको दिनभर लाभ कमाने के उत्तम अवसर प्राप्त होंगे। लेकिन इसके लिए आपको मेहनत और प्रयास करते रहना होगा। नौकरी के मामले में कुछ नया करने से आपको भविष्य में लाभ मिल सकता है। वहीं, व्यापार में नई योजनाएं मुनाफा दिलाने वाली हो सकती हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी, जिससे आपको सुकून महसूस होगा।

धनु : आर्थिक मामलों में आपको सावधान रहने की जरूरत है। कोई भी फैसला जल्दबाजी में लेने से नुकसान हो सकता है। बिजनेस के मामले में आपको थोड़ा सा जोखिम उठाने से बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में अगर आप कुछ नया करते हैं, तो इससे अच्छा मुनाफा मिल सकता है। व्यापार में अपने आसपास मौजूद नए मौकों को आपको पहचानना होगा।

मकर : आपका दिन सामान्य से बेहतर हो सकता है। व्यापार में साझेदारी में किए गए काम से मुनाफा मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में समझदारी और आत्मविश्वास के साथ कार्य करने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। लेकिन कार्यक्षेत्र में कई काम एक साथ मिलने के चलते आपकी चिंता बढ़ सकती है। साथ ही, काम के भार के चलते मन परेशान रह सकते है।

कुंभ : मौसम परिवर्तन के चलते आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। सेहत ठीक न होने के चलते आपका कामकाज में थोड़ा कम मन लग सकता है। लेकिन इस समय कोई भी फैसला लेना सही नहीं रहेगा। व्यापार के मामले में दिन अनुकूल रहेगा। आर्थिक मामलों में आपको जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है। ऐसे में सोच-समझकर ही कोई भी फैसला करें।

मीन : व्यापार के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाने से आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में चल रही परेशानियों को आप बुद्धिमानी और धैर्य के साथ दूर कर सकते हैं। इसी के चलते उन्नति के नए मार्ग खुलेंगे और आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। नौकरी करने वाले अपने कामकाज में व्यस्त रहेंगे, जिसके चलते आपकी प्रशंसा भी की जा सकती है।

पितृपक्ष में करें इन चीजों का दान, ग्रह होंगे शांत

पितृ पक्ष का समय बहुत ही पवित्र और खास माना जाता है। हिंदू धर्म में पितृपक्ष के समय लोग अपने पूर्वजों को याद करते हैं और उनके लिए पिंडदान और दान करते हैं। पितृपक्ष के वक्त किए गए दान से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है और मनुष्य जीवन से ग्रह दोष भी शांत हो जाता है साथ ही घरों में खुशी और सुख समृद्धि आती है। दान करना शुभ माना जाता है। पितृपक्ष को ग्रह शांति का विशेष समय भी माना जाता है।

दान करना सेवा त्याग और आभार व्यक्त करने के सामान्य होता है। परंपरा नहीं है यह दूसरों की सहायता और पितरों को संतोष दिलाने का एक तरीका है। दान करने से न केवल हमें पुण्य मिलता है बल्कि हमारे घर में सुख समृद्धि और धन की वृद्धि भी होती है। दान करने से ग्रह दोष भी काम होता है और ग्रह पर प्रसन्न होकर मनुष्य जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

पितृपक्ष में क्या दान करें और उनका ग्रहों से क्या संबंध है

1. अनाज -अनाज हमारे जीवन का आधार है पितृ पक्ष में अनाज दान करने से घर में अन्य की कभी कमी नहीं होती है। चावल चंद्रमा से जुड़ा है इसलिए दान करने से मानसिक शांति और परिवार में सकारात्मक और सामंजस्य आता है, जिस आत्मविश्वास और स्वास्थ्य मजबूत होता है।

2. काला तिल-दिल को दान करने के लिए एक बहुत ही पवित्र चीज माना गया है। तिल का प्रयोग पितरों के तर्पण के लिए भी किया जाता है। काला तिल शनि ग्रह से संबंधित होता है इसका दान करने से शनि के कष्ट काम होते हैं और जीवन में स्थिरता बनी रहती है।

3. कपड़े - की आत्मा को प्रसन्नता मिलती है और व्यक्ति को सम्मान और आत्मविश्वास भी मिलता है इसलिए कपड़ों का दान करना चाहिए। सफेद कपड़े चंद्रमा नीले कपड़े शनि पीले कपड़े बृहस्पति से जुड़े माने जाते हैं। की शांति के लिए संबंधित रंग के कपड़े दान करना शुभ माना गया है।

4. गुड और चना- गुड और चने का दान बहुत ही सरल और प्रभावी है इससे मिठास और सहयोग की भावना बढ़ती है। अच्छा सूर्य मंगल से संबंधित होता है इसे दान करने से हमारे जीवन में ऊर्जा साहस और आत्मबल बढ़ता है। चना मंगल और शनि को शांत करने में मदद करता है।

5. गाय को हरा चारा या भोजन कराएं- हिंदू शास्त्रों के अनुसार गाय को गौ माता माना जाता है। गाय की सेवा करना पुण्य का काम होता है। गौ सेवा सबसे बड़ा दान भी माना गया है। गौ सेवा से पितरों को असीम शांति मिलती है। गौ सेवा करने से और गाय को चारा खिलाने से हमारे सभी ग्रह संतुलित रहते हैं और शुक्र और चंद्रमा भी संतुलित रहते हैं।

6. पानी का दान करें- जल दान बहुत ही जीवन दायिनी होता है इससे हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है। जल चंद्रमा और शुक्र से जुड़ा होता है इससे भावनात्मक संतुलन और परिवार में प्रेम की भावना बढ़ती है।

मुलताई में पितृपक्ष पर निःशुल्क तर्पण की अनूठी परंपरा

ताप्ती उद्गम स्थल पर 36 साल से जारी है सेवा, श्रद्धालुओं को सामग्री भी मुफ्त

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

मुलताई में ताप्ती उद्गम स्थल पर पितृपक्ष के दौरान निःशुल्क तर्पण की परंपरा 36 वर्षों से जारी है। यहां श्रद्धालुओं से न केवल कोई शुल्क नहीं लिया जाता, बल्कि तर्पण की सभी सामग्री भी मुफ्त उपलब्ध कराई जाती है। रोजाना सुबह 8 बजे से शुरू होने वाली इस व्यवस्था में श्रद्धालुओं की अधिक संख्या होने पर दो पालियों में तर्पण कराया जाता है। सोमवार को ताप्ती सरोवर के तट पर स्थानीय लोगों के साथ-साथ महाराष्ट्र से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

लक्ष्मीनारायण मंदिर के पुजारी पंडित गणेश त्रिवेदी के अनुसार, यह परंपरा उनके पिता स्वर्गीय दुर्गाशंकर त्रिवेदी ने शुरू की थी। उनका उद्देश्य था कि आर्थिक कारणों से कोई भी व्यक्ति इस धार्मिक कार्य से वंचित न रहे। ताप्ती सरोवर के साथ ही तट पर स्थित गायत्री शक्ति पीठ में भी निःशुल्क तर्पण की सुविधा उपलब्ध है। दोनों स्थलों पर पितृपक्ष के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटती है। सुबह से ही ताप्ती सरोवर के तट पर मंत्रोच्चार और पूजा-पाठ की गूंज सुनाई देती है। श्रद्धालुओं का कहना है कि निःशुल्क व्यवस्था से धार्मिक कृत्य करना सहज हो जाता है। मुलताई का ताप्ती उद्गम स्थल पितृपक्ष में आस्था का प्रमुख केंद्र बन जाता है। रोजाना सैकड़ों लोग तर्पण करने मुलताई आते है।

बैतूल के रूक्मणी बालाजी मंदिर में चंद्रग्रहण का असर, दोपहर 12 बजे से सोमवार दोपहर तक बंद रहेंगे पट

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल में आगामी 7 और 8 सितंबर को लगने वाले चंद्रग्रहण के चलते बैतूल बाजार स्थित श्री रूक्मणी बालाजी मंदिर के पट निर्धारित समय के अनुसार बंद रहेंगे। मंदिर के मुख्य पुजारी असीम पंडा ने बताया कि धार्मिक परंपराओं के अनुसार ग्रहण और सूतक काल में मंदिर के कपाट बंद करने का निर्णय लिया गया है।

पुजारी के अनुसार, मंदिर के पट 7 सितंबर रविवार को दोपहर 12 बजे बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद मंदिर में पूजा-पाठ, आरती एवं दर्शन पूरी तरह बंद रहेंगे। 8 सितंबर सोमवार को सुबह 6:30 बजे ग्रहण समाप्ति के बाद मंदिर की शुद्धि प्रक्रिया पूरी कर वापस कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे।

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, चंद्रग्रहण का सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12:55 बजे से प्रारंभ हो जाएगा। ग्रहण की शुरुआत 7 सितंबर रात 9:55 बजे होगी और इसका समापन 8 सितंबर की रात 1:26 बजे किया जाएगा। सूतक काल ग्रहण से 9 घंटे पहले शुरू होता है और धार्मिक दृष्टि से यह समय अशुभ माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सूतक और ग्रहण काल में भोजन बनाना और खाना वर्जित होता है। इस दौरान कोई भी शुभ कार्य जैसे विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश आदि नहीं किए जाते। मंदिर के पुजारी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इन नियमों का पालन करें और ग्रहण काल में जाप, ध्यान और ईश्वर स्मरण करें।

धार्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण-

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, चंद्रग्रहण का प्रभाव मनुष्य की मानसिक स्थिति, भावनात्मक संतुलन और धार्मिक गतिविधियों पर पड़ता है। वहीं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, चंद्रग्रहण एक खगोलीय घटना है जो तब घटित होती है जब पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है और पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह खगोलीय घटनाओं को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है।

बैतूल में रुपए डबल करने का झांसा देकर ठगा, कोल कर्मी से 7 लाख ले लिए, कंपनी के दो आरोपी गिरफ्तार

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

सारणी पुलिस ने कोल कर्मी से 7 लाख रुपए की ठगी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वेल्फेयर बिल्डिंग एंड एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारियों ने पैसा डबल करने का झांसा देकर यह वारदात की।

पीड़ित महेंद्र प्रसाद (65) ने 5 सितंबर को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि कंपनी के मुख्य मैनेजर अनिल, ब्रांच मैनेजर सुनील और एजेंट अरविंद उर्फ शिवकेश्वर ने उनके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर 7 लाख रुपए निवेश करवा लिए।

पुलिस ने मामले की जांच के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में शिवकेश्वर उर्फ अरविंद प्रसाद (66) और सुनील कुमार (42) शामिल हैं। कंपनी के मुख्य मैनेजर अनिल अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

दोनों आरोपियों को 6 सितंबर को बैतूल न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने अन्य पीड़ितों से भी आगे आने की अपील की है। अगर किसी के साथ इस कंपनी ने ऐसी धोखाधड़ी की है, तो वह सारणी थाने में संपर्क कर सकता है।

झगड़े, मानसिक तनाव के बारे में बताया, बैतूल में कानूनी रूप से मदद को हेल्पलाइन नंबर जारी

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया। छत्रपति शिवाजी महाराज ओपन ऑडिटोरियम में कई पुरुषों ने हिस्सा लिया। उन्होंने अपने पारिवारिक विवादों और मानसिक तनाव के अनुभव साझा किए। प्रतिभागियों ने पारिवारिक दबाव और झूठे मामलों का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि पुरुषों की समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं है। इसलिए पुरुष आयोग के गठन की मांग की गई। संस्था

के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. संदीप गोहे ने समाज में बढ़ती आत्महत्याओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पुरुषों में आत्महत्या का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। समाज में पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा नहीं होती।

एसआईएफ बैतूल पुरुष अधिकार और मानसिक स्वास्थ्य के लिए काम कर रही है। संस्था ने पुरुषों को कानूनी और मानसिक सहयोग के लिए हेल्पलाइन नंबर 8882498498 जारी किया है। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि हर जीवन मूल्यवान है। संवाद और संवेदना से आत्महत्या को रोका जा सकता है। यह आयोजन सेव इंडियन फैमिली बैतूल (एसआईएफ) की ओर से आयोजित किया गया।

बैतूल ITI की खाली सीटों पर प्रवेश का मौका:वुडवर्क टेक्नीशियन, स्विंग टेक्नोलॉजी, अंग्रेजी कोर्स में 10 तक ले सकेंगे एडमिशन

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल की शासकीय आईटीआई संस्थाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया 10 सितंबर तक चलेगी। प्रवेश 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर दिए जाएंगे। आवेदकों को ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन और चॉइस फिलिंग करनी होगी। इसके बाद आवंटन पत्र लेकर संस्था में दस्तावेज सत्यापन कराना और शुल्क जमा करना होगा।

आवंटन के अगले दिन दोपहर 2 बजे तक प्रवेश न लेने पर चॉइस फिलिंग स्वतः रद्द हो जाएगी। नोडल प्राचार्य केशव सातपुते ने बताया कि विभिन्न आईटीआई में कई कोर्स में सीटें खाली हैं। बैतूल आईटीआई में वुडवर्क टेक्नीशियन, महिला आईटीआई बैतूल में स्विंग टेक्नोलॉजी और स्टेनो अंग्रेजी के कोर्स हैं। चिचोली आईटीआई में वेल्डर, भीमपुर आईटीआई में कॉस्मेटॉलोजी और टेक्नीशियन मैकाट्रॉनिक्स की सीटें हैं।

शाहपुर आईटीआई में वेल्डर और ड्रोन टेक्नीशियन ट्रेड में प्रवेश मिल सकता है। वुडवर्क टेक्नीशियन, वेल्डर और स्विंग टेक्नोलॉजी ट्रेड में 8वीं पास विद्यार्थी भी प्रवेश ले सकते हैं। 8वीं की अंकसूची न होने पर 10वीं की अंकसूची से भी प्रवेश मिल सकेगा। भीमपुर आईटीआई में महिलाओं के लिए कॉस्मेटोलॉजी ट्रेड रोजगार के अच्छे अवसर देता है। अंग्रेजी में दक्ष अभ्यर्थियों के लिए स्टेनो इंग्लिश ट्रेड उपयोगी विकल्प है। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सभी आईटीआई प्राचार्यों और प्रवेश प्रभारियों को 10 सितंबर तक शत-प्रतिशत प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949